मेट्रो Rays

आगे रखने का वादा

रांची, सोमवार, 4 नवंबर 2024

संवत 2081, कार्तिक शुक्लपक्ष 4- मूल्य 2 रुपये

वर्ष-8, अंक 58 , पृष्ठ-8, RNI No.-JHAHIN/2017/75028

सांध्य दैनिक

4 भारत के आर्थिक विकास में जनजाति समाज का है भरपूर योगदान

धमकियों के बीच शूटिंग के लिए हैदराबाद पहुंचे सलमान 6

ADMISSION OPEN
2025-26

Offline Registration forms are available in the school office on all working days from 9:00 AM to 2:00 PM.

Near Dalsadli Chowk, Agru, Ratu, Ranchi - 835222 (Jharkhand)

www.jkinternationalschool.co.in

7369017904, 7369017912

AFFILIATION NO.: 3430373 SCHOOL NO.: 66578

Affiliated to CBSE, New Delhi

J.K. INERNATIONAL SCHOOL

(An English Medium Co-educational 10+2, Residential cum Day School)

We Choose Us

HOSTEL FACILITY
CRICKET ACADEMY, SWIMMING POOL, GYM ETC.
PLAY WAY METHOD OF TEACHING
QUALIFIED & CARING STAFF
COMPUTER LAB
ART & CRAFT ROOM
ENCLOSED OUTDOOR PLAY AREA
ASSESSMENT & COUNSELLING
TRANSPORT FACILITY
WORLD-CLASS INDOOR AND OUTDOOR GAME FACILITIES

उत्तराखंड : अल्मोड़ा में खाई में गिरी बस, 38 यात्रियों की मौत

बढ़ सकती है मृतकों की संख्या, बस में 55 लोग सवार थे

एजेंसी

अल्मोड़ा : उत्तराखंड के अल्मोड़ा में बड़ा सड़क हादसा हुआ है। मार्चुला के पास एक बस खाई में गिर गई है। हादसे में 38 लोगों की मौत हो गई है। जबकि कई लोग घायल हुए हैं। मृतकों की संख्या बढ़ सकती है। मौके पर राहत एवं बचाव कार्य चलाया जा रहा है। एसडीआरएफ की टीम मौके के लिए रवाना हो गई है।

जानकारी के अनुसार, नैनी डांडा से रामनगर जा रही एक बस आज सुबह खाई में गिर गई। गीत जागीर नदी के किनारे गिरी बस में 38 लोगों की मौत हो गई है। जबकि कई लोग घायल हैं।

सारड बैंड के पास नदी में गिरी बसः शुरूआती जानकारी मिली है कि हादसे का शिकार हुई बस नैनीडांडा के किनाथ से सवारियों को लेकर जा रही थी। बस को रामनगर जाना था। यूजर्स कम्पनी की

बस है। बस सारड बैंड के पास नदी में गिरी है। 38 यात्रियों की मौतः आपदा प्रबंधन अधिकारी अल्मोड़ा विनीत पाल ने बताया कि 38 यात्रियों की मौत हो चुकी है। मरने वालों की संख्या बढ़ सकती है। टीम रेस्क्यू में जुटी है। स में सवार थे 55 से ज्यादा यात्रीः बस 40 सीटर थी। बस में 55 से ज्यादा यात्री थे। हादसे के बाद कुछ यात्री खुद ही बस से बाहर निकल आए। कुछ लोग छिटक कर नीचे गिर गए। घायल लोगों ने ही जानकारी दूसरों तक पहुंचाई। मौके पर राहत एवं बचाव कार्य चल रहा है। घायलों को अस्पताल ले जाने का काम किया जा रहा है। सीएम धामी ने दिए बचाव और राहत कार्य तेजी से चलाने के निर्देशः सीएम पुष्कर सिंह धामी ने अल्मोड़ा में बस हादसे पर सचिव आपदा प्रबंधन, आयुक्त कुमाऊं मंडल और डीएम अल्मोड़ा से फोन पर बात कर घटना की जानकारी ली और बचाव और राहत कार्य तेजी से चलाने के निर्देश दिए। डीएम देहरादून को भी रेस्क्यू ऑपरेशन की देखरेख के लिए विशेष रूप से वहां भेजा जा रहा है। एसडीआरएफ के साथ ही एनडीआरएफ की टीम भी घटना स्थल पर पहुंच गई हैं।रेस्क्यू और बचाव कार्य शुरू कर दिया गया है। आवश्यकता पड़ने पर गंभीर रूप से घायल यात्रियों को एयरलिफ्ट करने के लिए भी निर्देश दिए हैं।

भीषण सड़क हादसे में तीन की मौत, चालक जिंदा जला

मेट्रो रेज

सरायकेलाः राजनगर मेन रोड पर स्थित कलापत्थर गांव के पास एक टिप टेलर और एएलपी 407 के बीच जोरदार टक्कर हो गई। टक्कर के बाद टिप टेलर में आग लग गई। वहीं इस दुर्घटना में तीन लोगों की मौत हो गई है। दुर्घटना की सूचना मिलने के बाद पुलिस पहुंची और घायलों को अस्पताल पहुंचाया। जानकारी के मुताबिक सरायकेला राजनगर सड़क पर कलापत्थर गांव के पास सड़क दुर्घटना हो गई। सरायकेला की ओर से जाने वाली गाड़ी और राजनगर की ओर से आने वाली टिप टेलर के बीच जोरदार टक्कर हो गई। दुर्घटना की वजह से टिप टेलर में आग लग गई और चालक की जिंदा जलकर मौत हो गई। वहीं 407 वाहन सवार दो लोगों की मौत हो गई। जबकि डाला में बैठे दो लोग घायल हो गए। घायलों की पहचान छोटू उरांव(पलामू) और सत्येंद्र उरांव (चतरा) के रूप में हुई है। फिलहाल शवों की पहचान नहीं हो पाई है। पुलिस शव की पहचान कराने में जुटी है और गाड़ी को जब्त कर लिया है।

घटना के बाद मौके पर पहुंची पुलिसः इस दुर्घटना के बाद मौके पर पुलिस और एंबुलेंस पहुंची और राहत-बचाव का कार्य किया गया। दोनों वाहनों के बीच टक्कर इतनी जोरदार थी कि गाड़ियों के परखच्चे उड़ गए। वहीं शव को निकालने के लिए गैस कटर का इस्तेमाल किया गया।

एक ही परिवार के तीन लोगों को पिकअप वैन ने कुचला, आक्रोशित लोगों ने किया एनएच जाम

मेट्रो रेज

धनबाद : गोविंदपुर जीटी रोड फकीरडीह के पास एक पिकअप वैन ने एक महिला समेत तीन बच्चियों को बुरी तरह रौंद दिया। जिसमें तीनों की मौत घटनास्थल पर ही हो गई। एक को गंभीर अवस्था में इलाज के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया है। इस घटना के बाद गुस्साए लोगों ने एनएच जाम कर दिया है और गाड़ियों की लंबी कतार लगी हुई है। मौके पर पुलिस-प्रशासन लोगों को समझाने का प्रयास कर रहे हैं। घर के दरवाजे पर खड़ी थी कि अनियंत्रित पिकअप ने रौंद डालाः जानकारी के अनुसार फकीरडीह गांव के जफर मंसूरी की 26 वर्षीय पुत्री रूबी खातून अपनी 8 वर्षीय पुत्री सीपत परवीन, 15 वर्षीय बहन जानवी उर्फ आयत परवीन पड़ोसी दुर्गेश शाह की पुत्री को ट्यूशन के लिए रोड पार के लिए सोमवार सुबह 7:00 अपने दरवाजे पर खड़ी थी। इसी बीच पिकअप वैन बी 33 जीए 8814 के चालक ने तेजी और लापरवाही से वाहन चलाते हुए चारों को बुरी तरह कुचल दिया। इस घटना से जफर मंसूरी की 26 वर्षीय बेटी रूबी खातून, रूबी खातून की 8 वर्षीय पुत्री सीपत परवीन, जफर मंसूरी की एक और पुत्री जानवी उर्फ आयत परवीन की घटनास्थल पर ही मौत हो गई जबकि पड़ोसी के दुर्गेश शाह की पुत्री को गंभीर अवस्था में इलाज के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया है। आक्रोशित ग्रामीणों ने किया सड़क जामः जफर मंसूरी की दो पुत्री एवं नतनी की सड़क दुर्घटना में मौत के बाद आक्रोशित ग्रामीणों ने जीटी रोड जाम कर दिया। बीडीओ जहीर आलम, अंचल अधिकारी धर्मेंद्र कुमार दुबे, अंचल निरीक्षक कुमार सत्यम भारद्वाज एवं थाना प्रभारी मोहम्मद रुस्तम अली सदल बल घटनास्थल पर पहुंचे और जाम हटाने में लगे हुए हैं।

गढ़वा में चुनावी रैली को संबोधित करते हुए प्रधानमंत्री ने कहा-

'रोटी, बेटी, माटी की पुकार, झारखंड में बीजेपी-एनडीए सरकार

मेट्रो रेज

रांची/गढ़वाः प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने सोमवार को आज गढ़वा में एक रैली को संबोधित किया। झारखंड में दो चरणों में 13 नवंबर और 20 नवंबर को मतदान होगा। वोटों की गिनती 23 नवंबर को होगी। अपने संबोधन के दौरान प्रधानमंत्री ने कहा कि आपने कुछ महीने पहले दिल्ली में लगातार तीसरी बार भाजपा-एनडीए सरकार बनाई। अब झारखंड में विधानसभा का चुनाव है, हम सभी को मिलकर यहां भाजपा-एनडीए के नेतृत्व में डबल इंजन सरकार बनानी है।

नरेंद्र मोदी ने कहा कि मैं आज आप सबका आशीर्वाद मांगने आया हूं। आज झारखंड में हर तरफ एक

ही गूंज है, 'रोटी-बेटी-माटी की पुकार, झारखंड में भाजपा-एनडीए की सरकार'। मोदी ने कहा कि इस समय छठ का उत्साह भी चारो तरफ दिख रहा है। मैं छठी मैया की उपासना करने वालों को अपनी शुभकामनाएं देता हूं। उन्होंने कहा कि झारखंड में ये चुनाव ऐसे समय हो रहे हैं, जब पूरा देश 'विकसित भारत' के संकल्प को लेकर आगे बढ़ रहा है यानी आने वाले 25 वर्ष देश और झारखंड के लिए बहुत महत्वपूर्ण हैं। देश की आजादी के 100 वर्ष पूरे होंगे और झारखंड भी तब 50 वर्ष का होने वाला होगा।

आज दो रैलियों को करेंगे संबोधितः मोदी ने कहा कि भाजपा, झारखंड की सुविधा, सुरक्षा, स्थिरता व समृद्धि की गारंटी के साथ चुनावी मैदान में उतरी है। मैं झारखंड भाजपा को बहुत-बहुत बधाई देता हूं कि कल झारखंड भाजपा ने बहुत ही शानदार संकल्प पत्र जारी किया है। ये संकल्प पत्र रोटी-बेटी-माटी के सम्मान, सुरक्षा और समृद्धि के लिए समर्पित है। उन्होंने कहा कि झारखंड में बेहतर सुविधाओं के लिए, किसानों के लिए, राज्य में उद्योगों को मजबूत करने के लिए, केंद्र सरकार ने हर संभव प्रयास किया है, भले ही झामुमो सरकार ने उनके सामने बाधाएं खड़ी कीं। जब आप यहां डबल इंजन की सरकार बनाएंगे, तो राज्य में भी विकास होगा दोगुनी गति से होता है।

सीएम ने पीएम से किया आग्रह झारखंड का बकाया लौटाया जाये

मेट्रो रेज

रांची : सीएम हेमंत सोरेन ने एक बार फिर पीएम नरेंद्र मोदी से झारखंड का अधिकार मांगा है। उन्होंने सोशल मीडिया पोस्ट में लिखा है कि प्रधानमंत्री के झारखंड दौरे के अवसर पर मैं विनम्रतापूर्वक उनसे आग्रह करता हूं कि झारखंड के इस न्यायसंगत अधिकार को हमें लौटाया जाये। इससे पहले भी सीएम हेमंत सोरेन ने ट्वीट कर कहा था कि यह न केवल हमारा हक है, बल्कि राज्य के विकास के लिए अत्यंत आवश्यक भी है। झारखंडियों का बकाया 1 लाख 36 हजार करोड़ हमें लौटा देंः मैं पुनः उनसे करबद्ध प्रार्थना करता हूं कि हम

झारखंडियों का बकाया 1 लाख 36 हजार करोड़ रुपये हमें लौटा दें। झारखंड एवं झारखंडियों के विकास के लिए यह राशि अत्यंत आवश्यक है। मैं भाजपा के साथियों, खास कर के सांसदों से भी अपील करूंगा कि वे हम झारखंडियों के इस बकाये को दिलाने में हमारी मदद करें।

बिहारः बिहटा में तेंदुआ का खौफ, स्कूल हुए बंद, एयरपोर्ट परिसर में सशर्त्त मनेगी छठ

एजेंसी

पटनाः पटना से सटे बिहटा एयरफोर्स परिसर में तेंदुआ दिखने के बाद अब गांव वाले खौफ के साये में जी रहे हैं। बिहटा के दर्जन भर गांवों को अलर्ट कर दिया गया है। वहीं परिसर के अंदर संचालित होने वाले तीन स्कूलों को बंद कराया गया है। सुरक्षा की दृष्टि से प्रशासन एहतियातन यह कदम उठा रही है। वहीं एयरफोर्स परिसर में स्थित प्रसिद्ध सूर्य मंदिर में भी इस साल छठ पूजा पर ग्रहण लगा हुआ है। गांव वालों के अंदर इस बात की निराशा है कि इसबार वो हर बार की तरह यहां छठ नहीं कर सकेंगे। जबकि प्रशासन ने अभी पूरी तरह से छठ पूजा को खारिज नहीं किया है। इसे लेकर शर्त भी अब सामने है। छठ पूजा करने पर फिलहाल रोकः रविवार को जिलाधिकारी के निर्देश पर एसडीएम दिव्य शक्ति,

एसडीपीओ पंकज मिश्रा पुलिस पदाधिकारियों और वन रेंज अधिकारी के साथ एयरफोर्स सूर्य मंदिर पहुंचे और निरीक्षण किया। उन्हें तेंदुआ पकड़ने के लिए किए जा रहे प्रयासों की जानकारी दी गयी। बताया गया कि रोज डीएफओ खुद गश्त कर रहे हैं। वन विभाग ने पांच कैमरे और दो ट्रैप तेंदुआ को पकड़ने के लिए लगाए हैं। वहीं एयरपोर्ट प्रशासन ने छठ पूजा करने पर फिलहाल रोक लगायी है। अगर तेंदुआ पकड़ा गया, तो छठ की मिलेगी इजाजतः इधर, वन रक्षक, पुलिस और एयरफोर्स की निगरानी में सूर्य मंदिर के तालाब की सफाई करने का आदेश एसडीएम ने दे दिया है। उन्होंने कहा कि अगर छठ पूजा के पहले तेंदुआ पकड़ा जाता है तो यहां छठ पूजा की अनुमति दे दी जाएगी। बता दें कि यहां छठ पूजा पर रोक लगा तो ग्रामीणों ने भी अपनी नाराजगी जतायी जबकि भाजपा ओबीसी मोर्चा के राष्ट्रीय महामंत्री डॉ निखिल आनंद भी इस आदेश के खिलाफ बोलते मिले।

परिसर में चलने वाले तीन स्कूल बंदः गौरतलब है कि तेंदुआ को बिहटा एयरफोर्स परिसर के अंदर ही अबतक देखा गया है। लोगों की सुरक्षा के लिए जरूरी कदम भी उठाए गए हैं। वहीं तेंदुआ के खौफ से एयरफोर्स परिसर के अंदर चलने वाले तीन स्कूलों को भी बंद करा दिया गया है।

शेयर बाजार में मचा कोहरामः एक हजार अंक टूटा सेंसक्स , निफ्टी भी धराशायी, निवेशकों के करोड़ों डूबे

एजेंसी

मुंबई : भारतीय शेयर बाजार कारोबारी हफ्ते के पहले दिन सोमवार को लाल निशान पर खुला है। सोमवार को शेयर बाजार में भारी गिरावट देखने को मिली। शुरूआती कारोबार में ऑटो, आईटी, पीएसयू बैंक, फिन सर्विसेज और एफएमसीजी सेक्टर में भारी बिकवाली देखने को मिल रही है। बीएसई का सेंसेक्स शुरूआती कारोबार में 1000 अंक गिरने के बाद 78,719 पर कारोबार कर रहा है। वहीं, एनएसई का निफ्टी 313 अंक टूटकर 23,990 पर कारोबार कर रहा था। बाजार का रुझान नकारात्मक बना हुआ है। नेशनल स्टॉक एक्सचेंज (एनएसई) (एनएसई) पर 507 शेयर हरे, जबकि 1777 शेयर लाल निशान पर कारोबार कर रहे हैं। निफ्टी बैंक 280.60 अंक या 0.54 प्रतिशत गिरने के बाद के 51,393.30 पर है। निफ्टी मिडकैप 100 इंडेक्स 382.25 अंक या 0.68 प्रतिशत गिरने के बाद 56,113.80 स्तर पर कारोबार कर रहा है। वहीं, निफ्टी स्मॉलकैप 100 इंडेक्स 202.45 अंक या 1.08 प्रतिशत गिरने के बाद 18,592.45 पर है। सेंसेक्स पैक में सन फार्मा, रिलायंस, टाटा मोटर्स, इंफोसिस,टाइटन, मारुति, एनटीपीसी और एक्सिस बैंक टॉप लूजर्स थे। वहीं, एम एंड एम, टेक महिंद्रा, एचसीएल और इंडसइंड बैंक टॉप गेनर्स थे।बाजार के जानकारों के अनुसार, अगले कुछ दिनों में वैश्विक स्तर पर बाजारों का ध्यान अमेरिकी राष्ट्रपति चुनावों पर रहेगा और चुनाव के नतीजों के जवाब में निकट अवधि में अस्थिरता हो सकती है। हालांकि, यह अल्पकालिक होने की संभावना है और अमेरिकी विकास, मुद्रास्फीति और फेड कार्रवाई जैसे आर्थिक बुनियादी कारक बाजार की प्रवृत्ति को प्रभावित करेंगे।

न्यूज ब्रीफ

आजसू के सैकड़ों लोगों ने थामा झामुमो का दामन

सिल्लीः सोनाहातु प्रखंड हेसाडीह पंचायत अंतर्गत बाँधडीह गांव में इंडिया गठबंधन समर्थित झामुमो प्रत्याशी सह पूर्व विधायक अमित महतो के प्रति आस्था और विश्वास प्रकट करते हुए जयशंकर लोहरा, प्रताप सिंह मुंडा, लखिप्रसाद लोहरा,बलराम सिंह मुंडा और सत्यनारायण सिंह मुंडा के नेतृत्व में बाँधडीह गांव के सैकड़ों आजसू कार्यकताओं ने झारखंड मुक्ति मोर्चा का दामन थाम लिया।जिसमें बाँधडीह गांव के शिव शंकर सिंह मुंडा, मुंशी बाबू, दुर्गा प्रसाद सिंह मुंडा, देवी दयाल सिंह मुंडा, वीर विक्रम सिंह मुंडा, सत्यनारायण सिंह मुंडा, बलराम सिंह मुंडा, हरिनाथ सिंह मुंडा, शिवप्रसाद लोहरा बनमाली लोहरा, विवेकानंद सिंह मुंडा, राजकुमार सिंह मुंडा, प्रदीप सिंह मुंडा, मनोज सिंह मुंडा, रोशन सिंह मुंडा चैतन सिंह मुंडा, बैजनाथ मुंडा, कृष्ण सिंह मुंडा,भरत सिंह मुंडा,सुरेश सिंह मुंडा दुर्योधन सिंह मुंडा,रासबिहारी सिंह मुंडा, जयशंकर लोहरा साईनाथ लोहरा,रविंद्र नाथ सिंह मुंडा, परमेश्वर सिंह मुंडा, अर्जुन सिंह मुंडा, चमर सिंह मुंडा, सम्बद सिंह मुंडा,जनक सिंह मुंडा, राजेंद्र सिंह मुंडा, हरमोहन सिंह मुंडा, लाल सिंह लोहरा, मनोहर लोहरा, दिलीप सिंह मुंडा, गणेश सिंह मुंडा, फुलेश्वर लोहरा, रंगलाल सिंह मुंडा, कार्तिक सिंह मुंडा, धीरज सिंह मुंडा, गणपति लोहरा, बाघम्बर सिंह मुंडा, हरि पातर, अनाथ लोहरा, प्रताप सिंह मुंडा, युवा मोर्चा बलराम सिंह मुंडा, अनिल प्रमाणिक, नुनु प्रमाणिक, मनोज प्रमाणिक, देवेन्द्र नाथ सिंह मुंडा, सुग्रीव मुंडा, दामोदर प्रमाणिक, मंगल सिंह मुंडा, जगरनाथ सिंह मुंडा, माली पातर सिंह मुंडा आदि झामुमो में शामिल हुए। झामुमो प्रत्याशी अमित महतो ने सभी को झामुमो चुनाव चिन्ह का अंग वस्त्र भेंट कर झामुमो परिवार में स्वागत किया। प्रत्याशी अमित ने कहा कि सिल्ली विधानसभा सहित पूरे राज्य में झामुमो का जनाधार लगातार बढ़ रहा है। उन्होंने सभी से चुनाव में पूरी लग्न और मेहनत से जनता के बीच जाने का आह्वान किया। इस दौरान शामिल हुए युवाओं ने कहा कि प्रत्याशी अमित महतो दिन रात जनता की सेवा में समर्पित रहते हैं। मौके कामेश्वर महतो,वीरेंद्र सिंह,रमेश महतो,जितेंद्र महतो,बासुदेव महतो व अन्य उपस्थित थे।

एनडीए प्रत्याशी बिरंची नारायण ने चलाया डोर टू डोर संपर्क अभियान

बोकारो : जनसंपर्क अभियान के दौरान एनडीए प्रत्याशी बोकारो विधायक बिरंची नारायण ने चास प्रखंड के कालापत्थर पंचायत के गोमदीडीह ,पिपराबेडरा टोला में डोर टू डोर संपर्क अभियान के ग्रामीणों से भाजपा के पक्ष में मतदान करने का आग्रह किया। उन्होंने ने कहा केंद्र सरकार व पूर्व के भाजपा सरकार के योजना से हर गांव टोला लाभान्वित है। जनसंपर्क के दौरान क्षेत्र में डायरिया से कई लोगों ग्रसित जानकारी मिली।डायरिया से ग्रस्त होने के कारण सदर अस्पताल तथा विभिन्न अस्पतालों में भर्ती हैं। डायरिया पीड़ित एवं उनके परिवार से मिलकर हाल चाल जाना और बोकारो सिविल सर्जन से बात कर अविलंब गांव में कैंप लगाने तथा ग्रसित मरीजों को उच्च स्वास्थ्य सेवा देने का निर्देश दिया।सिविल सर्जन ने कहा 10 बजे तक गांव में शिविर लगाया जायेगा। उन्होंने कहा कि 20 नवंबर को पहले मतदान फिर जलपान के साथ ईवीएम के क्रमांक संख्या 1 पर कमल का बटन दबाकर झारखंड में भाजपा की सरकार बनाने में अहम भूमिका निभा कर वर्तमान हेमंत सोरेन की सरकार को उखाड़ फेंकने का काम करे। मौके पर मंडल अध्यक्ष हरीश सिंह,अमर स्वर्णकार, सुजीत चक्रवर्ती, निमाय महथा, दीपक शर्मा, समरेस,सुरेश शर्मा,अनंत शर्मा, राज देव, रवींद्र,अनिल, मुकेश, गुड्डू,अजय, विवेक, दिनेश, नीलकंठ, राजा राम,आशीष, बद्री, अम्बुज, मिथुन व अन्य मौजूद रहे।

दुमका जिले से 10 महिला प्रत्याशी चुनाव मैदान में

दुमकाः जिला में कुल चार विधानसभा क्षेत्र क्रमशः शिकारीपाड़ा(अनुसूचित जनजाति) दुमका(अनुसूचित जनजाति) जामा(अनुसूचित जनजाति) जरमुंडी विधानसभा निर्वाचन क्षेत्र में 20 नवंबर को मतदान होना है. इनमें से शिकारी पाड़ा विधानसभा क्षेत्र से कुल 11 प्रत्याशी चुनाव मैदान में है 11 में से दो महिला प्रत्याशी क्रमशः प्रोमिला मरांडी एवं सुशांति हेंब्रम दोनों निर्दलीय प्रत्याशी हैं. दुमका विधानसभा क्षेत्र में कुल 13 प्रत्याशी चुनाव मैदान में हैं इनमें से एक महिला निर्दलीय प्रत्याशी सोना मुर्मू हैं. जामा विधानसभा क्षेत्र में कुल 18 प्रत्याशी चुनाव मैदान में हैं. इनमें से पांच महिला प्रत्याशी क्रमशः झारखंड मुक्ति मोर्चा की लुईस मरांडी, झारखंड पार्टी की बेरोनिका मुर्मू, इंडियन नेशनल सोशलिस्टिक एक्शन फोर्सस पार्टी की मीनू मरांडी, निर्दलीय पोलिना मुर्मू एवं बिमला मुर्मू चुनाव मैदान में हैं. वही जरमुंडी विधानसभा क्षेत्र में कुल 17 प्रत्याशी चुनाव मैदान में है इनमें से दो महिला निर्दलीय प्रत्याशी क्रमशः जूली यादव एवं ममता वर्मा चुनाव मैदान में हैं. इस हिसाब से देखा जाए तो दुमका जिले में कुल 59 प्रत्याशियों में से 10 महिला प्रत्याशी चुनाव लड़ रहे हैं.

भाजपा प्रत्याशी ने चलाया जनसंपर्क अभियान

जामाः प्रखंड अंतर्गत कैराबनी, चिकनियां, लोधना, चांदनी चौक, फुटानी चौक में रविवार को भाजपा प्रत्याशी सुरेश मुर्मू ने दर्जनों कार्यकताओं के साथ मिलकर जनसंपर्क अभियान चलाया। इस दौरान उन्होंने मतदाताओं को अपने अपने पक्ष में मतदान करने की अपील किया और कहा कि युवा विरोधी गठबंधन सरकार से यहां की जनता उब चुकी है। इस बार बदलाव निश्चित हैं। भाजपा प्रत्याशी सुरेश मुर्मू के समक्ष दूसरे दल के कई कार्यकताओं ने भाजपा का दामन थामा। इसके पश्चात डोर टू डोर संपर्क कर जनता का आशीर्वाद लिया। जहां काफी गर्मजोशी के साथ कार्यकर्ताओं ने भाजपा प्रत्याशी का स्वागत किया। इस मौके पर इंद्रकांत यादव, सिंकदर यादव, राजू प्रसाद दर्वे, रामयश कुमार, विजय मंडल व अन्य मौजूद थे।

झारखंड में लागू नहीं लागू होगा यूसीसी, अमित शाह की घोषणा पर मुख्यमंत्री का पलटवार

मेट्रो रेज संवाददाता

रांचीः झारखंड में समान नागरिक सहिंता (यूसीसी) लागू करने की केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह की घोषणा के कुछ ही देर बाद मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने पलटवार करते हुए कहा कि राज्य में न तो यूसीसी और न ही राष्ट्रीय नागरिक पंजी (एनआरसी) लागू की जाएगी। सोरेन ने जोर देकर कहा कि झारखंड आदिवासी संस्कृति, भूमि और अधिकारों की रक्षा के लिए केवल छोटानागपुर काश्तकारी (सीएनटी) और संथाल परगना काश्तकारी (एसपीटी) अधिनियमों का पालन करेगा।

गढ़वा में एक रैली में सोरेन ने कहा, 'यहां न तो समान नागरिक संहिता लागू की जाएगी और न ही एनआरसी। झारखंड पूरी तरह से छोटानागपुर काश्तकारी और संथाल परगना काश्तकारी अधिनियमों का पालन करेगा। ये लोग (भाजपा नेता) जहर उगल रहे हैं और उन्हें आदिवासियों, मूल निवासियों, दलितों या पिछड़े समुदायों की कोई परवाह नहीं है।'

इससे पहले, शाह ने भाजपा का घोषणापत्र जारी करते समय कहा, 'हमारी सरकार झारखंड में समान नागरिक संहिता लागू करेगी, लेकिन आदिवासियों को इसके दायरे से बाहर रखा जाएगा। हेमंत सोरेन और झारखंड मुक्ति मोर्चा (झामुमो) की सरकार यह झूठा प्रचार कर रही है कि समान नागरिक संहिता आदिवासी अधिकारों, संस्कृति और संबंधित कानून को प्रभावित करेगी।'

शाह ने जोर देकर कहा कि समान नागरिक संहिता भले ही लागू की जाएगी, लेकिन यह सुनिश्चित किया जाएगा कि आदिवासियों के अधिकार प्रभावित न हों। सोरेन ने शाह की इस टिप्पणी पर भी तीखा हमला बोला कि झामुमो नीत गठबंधन नक्सलवाद को बढ़ावा दे रहा है। उन्होंने कहा कि दो चरणों में चुनाव होना इस बात का प्रमाण है कि नक्सलवाद पर अंकुश लगा दिया गया है, जबकि पहले चुनाव पांच चरण में होते थे।

सोरेन ने भाजपा की तुलना सूखते हुए पेड़ से की और उसे उखाड़ फेंकने का संकल्प जताया। उन्होंने आरोप लगाया कि भाजपा का लक्ष्य खनिज संपदा के लिए स्थानीय निवासियों को विस्थापित करना है। सोरेन ने भाजपा पर उनकी सरकार को कमजोर करने का आरोप लगाया और कहा, 'केंद्र ने कोयला कंपनियों द्वारा खनन के लिए राज्य को 1.36 लाख करोड़ रुपये का कोयला बकाया अभी तक नहीं चुकाया है।'

बांग्लादेश से घुसपैठ को लेकर केंद्र के रुख पर सवाल उठाते हुए सोरेन ने पूछा कि बांग्लादेश की पूर्व प्रधानमंत्री शेख हसीना को भारत आने की अनुमति क्यों दी गई, जबकि सरकार ने सुरक्षा को लेकर चिंता जताई थी। उन्होंने कहा, 'कौन से आंतरिक समझौते के तहत इसकी मंजूरी दी गई? सीमा सुरक्षा की जिम्मेदारी भारत सरकार की है।'

सोरेन ने अपनी सरकार की कल्याणकारी पहलों, विशेषकर मैया सम्मान योजना का बचाव करते हुए कहा कि यह योजना सभी समुदायों के सदस्यों को सहायता देने के लिए बनाई गई है, चाहे उनका धर्म कुछ भी हो। झारखंड की 81 सदस्यीय विधानसभा के चुनाव के लिए 13 और 20 नवंबर को दो चरण में मतदान होगा। मतगणना 23 नवंबर को की जाएगी।

विस चुनावः चतरा में बोले अमित शाह

'मार्च 2026 तक होगा देश से नक्सलवाद का सफाया'

मेट्रो रेज संवाददाता

रांची : झारखंड में विधानसभा चुनाव के लिए कम ही दिन बचे हैं। ऐसे में सियासी नेताओं के एक-दूसरे पर हमले तेज हो गए। इस बीच, केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने रविवार को मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन के नेतृत्व वाले झामुमो गठबंधन पर नक्सलवाद को बढ़ावा देने का आरोप लगाया। शाह ने यह भी कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व वाली केंद्र सरकार मार्च 2026 तक नक्सलवाद को देश से खत्म करेगी।

'गरीबों के खिलाफ काम कर रही सोरेन सरकार': शाह ने भरोसा जताया कि राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (एनडीए) झारखंड में सरकार बनाएगी। उन्होंने दावा किया कि हाल में हुए लोकसभा चुनावों के आधार पर 81 सदस्यीय विधानसभा की 52 सीटों पर जीत हासिल करेगा। चतरा जिले के सिमरिया में एक चुनावी रैली को संबोधित करते हुए शाह ने कहा, यही वक्त है कि झारखंड में दलितों, आदिवासियों, गरीबों और युवाओं के खिलाफ काम करने वाली हेमंत सोरेन सरकार को बाहर निकाला जाए। यह संकीर्ण रानजीतिक लाभ के लिए नक्सलवाद को बढ़ावा दे रही है।

विज्ञापन

'मोदी सरकार करेगी नक्सलवाद का सफाया': गृह मंत्री ने यह भी कहा, हमने पिछले पांच वर्षों में झारखंड से नक्सलवाद को खत्म किया और अब प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में केंद्र मार्च 2026 तक भारत से नक्सलवाद का सफाया करेगी। उन्होंने सोरेन सरकार पर गरीबों और आदिवासियों के लिए आवंटित पैसे का दुरुपयोग करने का आरोप लगाया। शाह ने कहा, जब भी भाजपा सत्ता में आएगी, झारखंड के सभी भ्रष्ट नेताओं को जेल भेजेगी। उन्होंने भरोसा जताया कि एनडीए 81 में से 52 सीटें जीतेगा, क्योंकि हाल में हुए विधानसभ चुनावों में लोगों ने इसे 47 फीसदी वोट दिए हैं।

दो चरणों में होंगे विधानसभा चुनावः उन्होंने कहा कि झारखंड के लोगों ने एनडीए को 14 में से 9 संसदीय सीटें दीं, जिसमें गठबंधन के लिए कुल 80 लाख वोट पड़े। राज्य की 81 सदस्यीय विधानसभा के लिए चुनाव 13 और 20 नवंबर को दो चरणों में होंगे और मतों की गिनती 23 नवंबर की जाएगी।

हेमंत सरकार की लोक कल्याणकारी योजनाओं से विपक्ष परेशान : सीमा महतो

मेट्रो रेज संवाददाता

सिल्लीः सबसे लंबे समय तक सत्ता में रहे कुछ किया नहीं सिर्फ मलाई खाया, नतीजा जनता ने इन्हें सत्ता से बेदखल किया। 2019 में हेमंत सोरेन के नेतृत्व में बनी महागठबंधन की सरकार को अस्थिर के लिए नित्य दिन नयी नयी साजिश रची गई लेकिन हेमंत सोरेन ना झुके और ना ही टूटे । मंईयां सम्मान योजना की शुरूआत कर महिलाओं का सशक्तीकरण और मान सम्मान बढ़ाया। सरकार ने किसान ऋण माफी योजना बिजली बिल माफी योजना लाकर जनता को राहत देने का काम किया है साथ ही 200 यूनिट बिजली फ्री किया है, इसलिए हेमंत सोरेन सरकार की योजना देख विपक्ष के लोगों का नींद उड़ गया है और पेट में दर्द होने लगा है यह बातें पूर्व विधायक सीमा ने सिल्ली विधानसभा के झामुमो प्रत्याशी अमित महतो के पक्ष में जनसंपर्क अभियान के दौरान कही। सीमा ने कहा अमित महतो ने हमेशा शांति के साथ क्षेत्र की विकास करने की बात कही है।

इंडिया गठबंधन प्रत्याशी श्वेता सिंह ने किया सघन दौरा

बोकारो : इंडिया गठबंधन प्रत्याशी श्वेता सिंह अपने जनसंपर्क कार्यक्रम के दौरान बोकारो विधानसभा के विभिन्न ग्रामीण क्षेत्रों एवं शहरी क्षेत्रों का सघन दौरा किया।अपराह्न ढाई बजे के पश्चात लगातार कामनगोड़ा, डममोहड़,नावाडीह,काशीडीह, फुदनीडीह, मूर्तिटांड़, गोमदीडीह, परसबेड़ा, निश्चितपुर, चिकिसीया,रजक टोला में जनसंपर्क अभियान चला जिसमें आम जनता का आपार स्नेह प्राप्त हुआ सभी ने परिवार की तरह श्वेता सिंह को आशीर्वाद दिया वही क्षेत्र की महिलाओं ने मईया सम्मान योजना को लेकर बहुत खुशी जाहिर की और गले से लगा कर अभिनंदन किया।श्वेता सिंह ने कहा कि क्षेत्र घूमने के बाद समस्याओं का हाल जानने को मिला भविष्य में इन सभी समस्याओं का निष्पादन करने का कार्य युद्धस्तर पर होगा।

24 घंटे के अखंड हरिकीर्तन का आयोजन

डोमचांचः प्रखंड अंतर्गत धरगांव पंचायत के ग्राम बनपोक में दिन रविवार से दुर्गा मंदिर में 24 घंटे का अखंड हरिकीर्तन का आयोजन किया गया है। अखंड कीर्तन के दौरान हरे राम, हरे राम, राम राम हरे हरे, हरे कृष्ण, हरे कृष्ण, कृष्णा कृष्णा हरे हरे, से पूरा बनपोक गाँव गूंज उठा। देवी मंडप के पुजारी व पांडे के वैदिक मंत्र उच्चारण से पूजा की शुरूआत की गई। इस अवसर पर

नौ जवान, श्रद्धालुओं ने भाग लिया। इस बच्चे, बुजुर्ग सहित बड़ी संख्या में अवसर पर विभिन्न कीर्तन मंडली द्वारा ढोलक झाल के साथ हरे राम हरे राम, हरे कृष्ण हरे कृष्ण के बोल पर श्रद्धालु झूमते रहे। हरिकीर्तन का समापन गुरुवार को हवन एवं प्रसाद वितरण के साथ किया जायेगा। मौके पर उप मुखिया नारायण साव, मोती साव, राजेश गुप्ता, सुरेंद्र गुप्ता, प्रकाश गिरी, प्रकाश साव, कमलेश साव, लोचन गुप्ता प्रमचंद साव,लोचन साव ,जितेन्द्र, साव, भीम लाल, अनिल साव, मनोज गिरी, नकुल साव, पवन साव, राजेश गुप्ता यदि अन्य लोग मौजूद थे।

डोमचांच में निर्दलीय प्रत्याशी शालिनी गुप्ता का जनसंपर्क अभियान

रोजगार और विकास के मुद्दों पर जनता से किया संवाद

मेट्रो रेज संवाददाता

डोमचांच : विधानसभा चुनाव 2024 को लेकर निर्दलीय प्रत्याशी शालिनी गुप्ता ने डोमचांच के विभिन्न गाँवों का दौरा कर जनता से संवाद किया और अपने चुनावी एजेंडे को प्रस्तुत किया। इस अवसर पर शालिनी गुप्ता ने लोचनपुर, गोहदरिया सहित कई गाँवों का भ्रमण किया और डोमचांच बाजार में अपने कार्यालय का उद्घाटन कराया। कार्यालय का उद्घाटन आचार्य सुखदेव सिंह के करकमलों द्वारा किया गया, जिसमें भारी संख्या में उनके समर्थक भी उपस्थित रहे.निर्दलीय प्रत्याशी शालिनी गुप्ता ने इस अवसर पर उपस्थित लोगों के साथ परिवर्तन का संकल्प लिया और कहा कि क्षेत्र की तरक्की एवं खुशहाली उनकी प्राथमिकता रहेगी। इससे पहले, शालिनी गुप्ता ने नवलशाही के कुशमई बच्छेडीह में आयोजित चित्रगुप्त पूजा में भी भाग लिया, जहाँ उन्होंने भगवान चित्रगुप्त की पूजा-अर्चना की और बड़े-बुजुर्गों का आशीर्वाद प्राप्त किया। उन्होंने कहा कि जनता का आशीर्वाद और समर्थन

उनके लिए सबसे महत्वपूर्ण है और उनके पक्ष में मतदान का आग्रह किया।शालिनी गुप्ता ने कहा कि डोमचांच के लोग लंबे समय से रोजगार और विकास की समस्याओं से जूझ रहे हैं। उन्होंने बताया कि डोमचांच के प्रमुख आय स्रोत, ढिबरा और पत्थर खदान, लंबे समय से बंद पड़े हैं, जिससे क्षेत्र में बेरोजगारी और आर्थिक संकट गहरा गया है। डोमचांच बाजार, जो कभी क्षेत्र की शान था, आज वीरान हो गया है। उन्होंने वादा किया कि जनता का साथ और समर्थन मिलने पर वे डोमचांच की खोई हुई रौनक को वापस लाने के लिए हर संभव प्रयास करेंगी।उन्होंने जिले में शिक्षा और रोजगार के मुद्दे पर भी चर्चा की और कहा कि जिले के बच्चे उच्च शिक्षा प्राप्त करने के बाद भी बेरोजगारी का सामना कर रहे हैं। युवाओं को छोटी- मोटी नौकरियों के लिए भी जिले से बाहर जाना पड़ता है। शालिनी गुप्ता ने आश्वासन दिया कि उनके नेतृत्व में युवाओं को रोजगार के बेहतर अवसर उपलब्ध कराए जाएंगे ताकि उन्हें अपने जिले में ही सम्मानजनक जीवन व्यतीत करने का अवसर मिल सके।

इस अवसर पर शालिनी गुप्ता ने जनता से अलमारी छाप पर वोट देने की अपील की और कहा कि यह चुनाव डोमचांच के विकास और खुशहाली के लिए एक नई शुरूआत हो सकता है। उनके इस दौरे से ग्रामीणों में उत्साह का माहौल बना और कई समर्थकों ने बदलाव के इस संकल्प में उनका साथ देने का वादा किया।

न्यूज ब्रीफ

दो महीने में रिटायर हो जायेंगे डीजी रैंक के चार आईपीएस अधिकारी

रांची : झारखंड में अगले दो महीने में डीजी रैंक के चार आईपीएस अधिकारी रिटायर हो जायेंगे। इस महीने 30 नवंबर को 1989 बैच के आईपीएस अधिकारी अजय भटनागर सेवानिवृत्त हो जायेंगे। वे अभी केंद्रीय प्रतिनियुक्ति पर हैं और वर्तमान में सीबीआई में संयुक्त निदेशक के पद पर कार्यरत हैं। इसके अलावा डीजीपी अजय कुमार सिंह व एम मीणा जनवरी 2025 में और आरके मल्लिक 31 जनवरी 2025 को रिटायर हो जायेंगे। एक जनवरी से छह आईपीएस हो जायेंगे डीआईजीः झारखंड कैडर के 2011 बैच के सीनियर एसपी रैंक (सीनियर सिलेक्शन ग्रेड) में प्रोन्नत छह आईपीएस अधिकारी एक जनवरी 2025 से डीआईजी हो जायेंगे। सीनियर एसपी रैंक में प्रोन्नत अधिकारी को राज्य सरकार चाहे तो वर्तमान में कहीं भी प्रभारी डीआईजी बना सकती है। इनमें चंदन झा, चंदन सिन्हा, प्रियदर्शी आलोक, अजीत पीटर डुंगडुंग, अनुरंजन किस्पोट्टा और अंबर लकड़ा शामिल हैं।

सिल्ली में चुनावी तैयारी को लेकर जेएमएम की बैठक

मुरीः सिल्ली से जेएमएम प्रत्याशी अमित महतो के नेतृत्व में चुनावी तैयारी को लेकर बैठक की गयी। बैठक हेमंत सोरेन के हाथ को मजबूत करने के लिए फिर से एक बार एकजुटता दिखाई गई। अमित महतो के सिल्ली विधानसभा प्रत्याशी के रूप में आने से पुराने सभी जेएमएम के बिखरे कार्यकर्ता में नई उर्जा का संचार मिला। फिर से जेएमएम और आजसू पार्टी के बीच टक्कर की संभावना बढ़ गई है। सभी ने पार्टी कार्यकर्ताओं ने कार्यालय के समक्ष हेमंत सोरेन, अमित महतो जिन्दाबाद के नारे लगाए गए। मौके पर पूर्व विधायक सीमा देवी, वर्तमान जिला परिषद लक्ष्मी देवी समेत कई कार्यकर्ता मौजूद थे।

दो दिवसीय साइकिलिंग प्रतियोगिता का आगाज, 250 खिलाड़ियों ने लिया भाग

रांची : 11वीं झारखंड राज्य स्तरीय सीनियर, जूनियर, सब जूनियर, यूथ बालक-बालिका रोड साइकिलिंग प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। मेगा स्पोर्ट्स कॉम्पलेक्स खेलगांव में आयोजित प्रतियोगिता का शुभारंभ मुख्य अतिथि झारखंड ओलंपिक संघ के कोषाध्यक्ष शिवेंदु दुबे, विशिष्ट अतिथि झारखंड एथलेटिक्स संघ के सचिव एसके पांडे, झारखंड साइकिलिंग वूशु संघ के अध्यक्ष चंचल भट्टाचार्य ने फ्लैग ऑफ एवं गुब्बारा उड़ा कर किया। प्रतियोगिता में झारखंड के विभिन्न जिलों से 220 खिलाड़ियों ने भाग लिया। बता दें कि पदक विजेता खिलाड़ी राष्ट्रीय प्रतियोगिता में भाग लेंगे। आयोजन को सफल बनाने में झारखंड साइकिलिंग संघ के महासचिव शैलेंद्र कुमार पाठक, उपाध्यक्ष सुरजीत कुमार, कोषाध्यक्ष रणवीर सिंह, जितेंद्र महतो समेत एसोसिएशन के पदाधिकारी भी मौजूद थे।

सुबोधकांत सहाय ने किया चुनावी कार्यालय का उद्घाटन

रांचीः पूर्व केंद्रीय मंत्री सुबोधकांत सहाय ने सोमवार को हटिया विधानसभा क्षेत्र अंतर्गत कचनार टोली (सिंह मोड़, हटिया) स्थित ब्लू डायमंड कॉम्पलेक्स में चुनाव कार्यालय का उद्घाटन किया। मौके पर श्री सहाय ने हटिया विधानसभा सीट से इंडिया गठबंधन (कांग्रेस) के प्रत्याशी अजय नाथ शाहदेव को विजयी बनाने के लिए कार्यकताओं को घर-घर जनसंपर्क कर मतदाताओं से समर्थन मांगने का निर्देश दिया। उन्होंने हटिया विधानसभा क्षेत्र के मतदाताओं से इंडिया गठबंधन प्रत्याशी अजय नाथ शाहदेव को समर्थन देकर विजयी बनाने की अपील की। अवसर पर प्रदेश कांग्रेस कमेटी के पूर्व अध्यक्ष राजेश ठाकुर, कांग्रेस नेता संजय पासवान, कमल ठाकुर, उमेश प्रसाद, मुबारक खान, जलेश्वर महली, धनेश्वर लोहार, निरंजन कुमार, संजय चौबे, बबलू शुक्ला, मो. जब्बार, नित्या लाल कुमार, सीमा हेंब्रम, राज अरोड़ा, जय किशन राम सहित काफी संख्या में पार्टी कार्यकर्ता व स्थानीय नागरिक मौजूद थे।

जैन धार्मिक प्रतिनिधियों ने राज्यपाल सौंपा 7 सूत्री मांग पत्र

रांची :जैन समुदाय के समता युवा संघ के अध्यक्ष राकेश कुमार जैन के अध्यक्षता में अशोका सुराणा , उत्तम कोठारी,संयम जैन, राजेश पिंचा, जय पिंचा, डॉ ज्ञानेन्द्रा कुमार, श्री राम, प्रतिनिधियों ने गवर्नर को जैन धार्मिक के पूज्य आचार्य प्रवर 1008 श्री रामलाल जी के 50 वर्ष साधना व साधुत्व को समर्पित अभिरामम नामक पुष्तक, अंग वस्त्र ,स्मृति चिन्ह एवम 7 सूत्री मांग पत्र भेंट की। यह पुष्तक संघ ० राष्ट्र हित में है। इस किताब में जैन धर्म के मूल सिद्धांत और महावीर के उपदेशों का विस्तृत वर्णन है, जो समाज में अहिंसा और करुणा के मूल्य को बढ़ावा देता है। मुलाकात के दौरान, जैन प्रतिनिधियों ने गवर्नर को एक मांग पत्र प्रस्तुत किया, जिसमें कुछ महत्वपूर्ण मुद्दों पर ध्यान आकर्षित किया गया।

झारखंड कांग्रेस ने बागियों पर चलाया डंडा

तीन नेता छह साल के लिए पार्टी से निष्कासित

मेंट्रो रेज

रांची : कांग्रेस ने बागी नेताओं के खिलाफ कार्रवाई की है। झारखंड विधानसभा चुनाव में पार्टी प्रत्याशी या फिर गठबंधन के खिलाफ लड़ने वाले नेताओं पर प्रदेश अध्यक्ष केशव महतो कमलेश के निर्देश के बाद कार्रवाई की गयी है। विधानसभा चुनाव में बागी उतरे तीन नेताओं को पार्टी ने छह वर्षों के लिए निष्कासित कर दिया है। कांग्रेस देवेंद्र सिंह बिट्टू, लातेहार के जिलाध्यक्ष मुनेश्वर उरांव और कांग्रेस नेता इसरापिल अंसारी के खिलाफ कार्रवाई हुई है।

कौन प्रत्याशी कहां से उतरे हैं चुनाव मैदान में: झारखंड कांग्रेस पार्टी के प्रवक्ता सतीश पॉल मुंजनी ने बताया है कि मुनेश्वर उरांव मनिका से चुनाव लड़ रहे हैं। वहीं पांकी से देवेंद्र सिंह बिट्टू पार्टी के अधिकृत उम्मीदवार के खिलाफ चुनाव में उतर गये। इसरापिल अंसारी गोमिया विधानसभा में निर्दलीय मैदान में हैं। वह झामुमो के गठबंधन के प्रत्याशी योगेंद्र प्रसाद के खिलाफ मैदान में हैं।

भाजपा का संकल्प पत्र झूठे वादों का पुलिंदा : किशोर नाथ शाहदेव

भाजपा के संकल्प पत्र पर प्रदेश कांग्रेस के मुख्य प्रवक्ता लाल किशोर नाथ शाहदेव ने कहा कि राज्य की जनता अब भाजपा के बहकावे में आनेवाली नहीं है। भाजपा का पूरा संकल्प पत्र झूठे वादों का पुलिंदा है। इस पर जनता को अब भरोसा नहीं है। श्री शाहदेव ने कहा कि हम भी छात्र और युवाओं के भविष्य के साथ खिलवाड़ नहीं करना चाहते हैं। हम चाहते हैं कि पेपर लीक के लिए सख्त कानून बने और फास्ट ट्रैक कोर्ट से आरोपियों को सजा मिले। लेकिन गृह मंत्री ने जिस भाषा का प्रयोग आज किया है, झारखंड प्रदेश कांग्रेस कमेटी इसकी कड़ी आलोचना करती है।

झारखंड के 81 विधानसभा सीटों पर कुल 1211 उम्मीदवार: के रवि कुमार

मेट्रो रेज

रांचीः मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी के रवि कुमार ने जानकारी दी कि झारखंड की 81 विधानसभा सीटों पर कुल 1211 प्रत्याशी चुनावी मैदान में हैं। उनमें 1081 पुरुष प्रत्याशी हैं। महिला उम्मीदवारों की संख्या 128 है। जबकि 2 प्रत्याशी ट्रांसजेंडर हैं। उन्होंने कहा कि 13 नवंबर को होनेवाले पहले चरण के मतदान की तैयारी अंतिम दौर में है। इस चरण में कुल 43 विधानसभा क्षेत्रों से कुल 683 प्रत्याशी चुनाव मैदान में हैं। जबकि दूसरे चरण की मतदान की तिथि 20 नवंबर है। इस चरण में 38 विधानसभा क्षेत्रों से कुल 528 प्रत्याशी चुनाव मैदान में हैं। उसमें 472 पुरुष, 55 महिलाएं और एक ट्रांसजेंडर प्रत्याशी है।

उन्होंने कहा कि मतदाताओं के घरों तक बीएलओ द्वारा मतदान पर्ची का वितरण युद्धस्तर पर जारी है। उन्होंने अपील करते हुए कहा कि सभी मतदाता मतदान करने जाते वक्त मतदाता पर्ची में उल्लेखित सीरियल नंबर और पार्ट नंबर नोट कर जाएं। इससे उन्हें अपना नाम ढूंढने में कम समय लगेगा। वहीं पार्ट नंबर से सही कतार में खड़ा होने की जानकारी मिल जाएगी। इससे मतदान करने में जहां काफी कम समय लगेगा, वहीं मतदान की गति भी काफी बढ़ जाएगी। उन्होंने कहा कि फिलहाल पोस्टल बैलेट से मतदान की प्रक्रिया जारी है। उन्होंने बताया कि राज्य में आदर्श आचार संहिता लागू होने के बाद से अब तक एक अरब, 43 करोड़, 26 लाख की अवैध सामग्री और नकदी की जब्ती की गयी है।

सारी शक्ति, मन और आत्मा से ईश्वर को करें प्यार : फादर विनय

रांचीः संत अन्ना धर्मसंघ की संस्थापिका के अवशेषों की हड़गड़ी की 29वीं बरसी पर रविवार से संत अन्ना धर्मसंघ के पुरुलिया रोड स्थित मूलमठ में विकास मेला लगाया गया। धर्मसंघ की संस्थापिका ईश सेविका माता बेनार्देत किस्पोट्टा व उनकी सहयोगी माता सिसिलिया, माता वेरोनिका और माता मेरी के अवशेषों को 1995 में कब्रिस्तान से मूलमठ में लाकर हड़गड़ी के रूप में रखा गया था। इस अवसर पर सुबह छह बजे चैपल में विशेष आराधना हुई। आराधना में मुख्य अनुष्ठाता फादर विनय केरकेट्टा थे। फादर निकोलस टेटे और फादर इग्नेसियुस तिर्की ने सहयोग किया। फादर विनय केरकेट्टा ने कहा कि आज का पाठ वचन कहता है कि अपनी सारी शक्ति, अपने सारे मन, दिल और आत्मा से ईश्वर को प्यार करें। और ईश्वर के साथ-साथ हमें अपने पड़ोसी को भी प्यार करने की जरूरत है। उन्होंने अपने जीवन के एक दृष्टांत को साझा करते हुए बताया कि जब वे शिक्षा ग्रहण कर रहे थे, तभी उनके पिता का निधन हो गया। उनके पास इतने पैसे नहीं थे कि पिता के दर्शन के लिए आ सके। तब उनके दोस्तों ने पैसे इकट्ठे कर दिये और मैं अपने पिता का अंतिम दर्शन कर सका। मिस्सा अनुष्ठान के दौरान संत अन्ना धर्मसमाज की सुपीरियर जेनरल सिस्टर लिली ग्रेस तोपनो, सिस्टर सोसन बाड़ा, सिस्टर सुजाता कुजूर, मूल मठ की सुपीरियर सिस्टर सिसिलिया बाड़ा, सिस्टर सेलिन बाड़ा, उसुर्लाइन सिस्टर जूलिया जॉर्ज सहित रांची, गुमला, जलपाईगुड़ी और मध्यप्रदेश प्रोविंस की धर्मबहनें उपस्थित थीं।

विधानसभा चुनाव 2024

बीजेपी में उथल-पुथल जारी, प्रदेश उपाध्यक्ष ने छोड़ी पार्टी, लगाये गंभीर आरोप

मेट्रो रेज

रांचीः झारखंड विधानसभा चुनाव से पहले दल-बदल का दौर जारी है। बीजेपी के कई नेता झामुमो में शामिल हो रहे हैं। पूर्व मंत्री लुईस मरांडी के बाद अब इसमें बड़ा नाम बीजेपी के प्रदेश उपाध्यक्ष जवाहर पासवान का जुड़ गया है। पासवान ने पार्टी की प्राथमिक सदस्यता समेत सभी पदों से इस्तीफा दे दिया है और वे झामुमो में शामिल हो गए हैं।

पार्टी नेताओं पर लगाए अपमानित करने का आरोपः जवाहर पासवान ने अपना इस्तीफा प्रदेश अध्यक्ष बाबूलाल मरांडी को भेज दिया है। अपने इस्तीफा में पासवान ने कहा है कि प्रदेश उपाध्यक्ष रहते हुए मुझे समय-समय पर प्रदेश के नेताओं द्वारा अपमानित किया जा रहा है। पासवान ने कहा कि इस मामले को लेकर उन्होंने संगठन महामंत्री कर्मवीर सिंह को अवगत कराया, लेकिन कोई संतोषजनक जवाब नहीं मिला। ऐसे में मुझे लगता है कि भाजपा में मेरे जैसे गरीब कार्यकर्ता का कोई स्थान नहीं है। भाजपा में सिर्फ पैसा व पैरवी वाले नेता का ही स्थान है।

जवाहर पासवान ने थामा झामुमो का दामनः जवाहर पासवान ने बीजेपी से इस्तीफे के बाद झामुमो में शामिल हो गए हैं। इस दौरान सीएम हेमंत सोरेन और मंत्री मिथिलेश ठाकुर मौजूद रहे। टिकट की घोषणा के बाद से लगातार नाराज नेता दल-बदल कर रहे हैं। जवाहर पासवान से पहले भी कई नेता पार्टी छोड़ कर झामुमो में शामिल हो गए हैं। इनमें पूर्व मंत्री लुईस मरांडी, केदार हाजरा, गणेश महली, प्रणव वर्मा आदि की लंबी लिस्ट है।

सूप व दउरा से सजा बाजार, खरीदारी में जुटे छठव्रती

मेट्रो रेज

रांचीः आस्था का महापर्व पांच नवंबर से शुरू हो रहा है। इसे लेकर छठव्रतियों में खासा उल्साह है। लोग पूजा सामग्री जमा करने में जुट गए हैं। बकरी बाजार और जिला स्कूल में छठव्रतियों की भीड़ उमड़ रह है। छठ पर्व में बांस से बना सूप दउरा की खरीदारी तेजी से हो रही है। इसके साथ ही शहर छठ गीतों से गुंजायमन हो रहा है। 6 नवंबर को को खरना अनुष्ठान होगा। छठ व्रती दिन भर उपवास पर रहेंगे। सूर्यास्त के बाद व्रती भगवान की नेम निष्ठा से पूजा पाठ करेंगे। उसके बाद प्रसाद ग्रहण करेंगे। लोगों के बीच प्रसाद वितरण किया जायेगा। इसके साथ ही व्रतियों का 36 घंटे का निर्जला उपवास आरंभ हो जाएगा। सात नवम्बर को श्रद्धालु छठ घाट पर अस्ताचलगामी भगवान सूर्य को अर्घ्य देंगे।

छठ पूजा में 50 लाख से अधिक का होता है कारोबारः सिल्ली के सावरी देवी ने बताया कि खूंटी, मांडर, जोन्हा, तमाड़, मुरी और सिल्ली से अधिकांश सूप, दउरा मंगाया जाता है। रांची के बकरी बाजार में सप्ताह में बुधवार और शनिवार को दुकान लगता है। लेकिन छठ पूजा को देखते हुए चार दिन से दुकान लगाये जा रहे हैं।यहां पर सभी समुदाय छठ पर्व में दुकान लगाते हैं। दर्जनों दुकानों को मिलाकर चार दिन में लगभग 50 लाख रुपए का सूप दउरा का कारोबार होता है। इस बार छठ पर्व में पांच हजार सूप बनाया गया। अप्रैल म ई महीने से बनाना शुरूकिया है। इस काम में 30-35 महिला-पुरुष मिलकर लगभग पांच हजार सूप बनाये हैं। इसमे पुरुष का काम बांस काटना और सूप बांधना होता है। बाकि महिलाएं सूप बिंधती हैं। एक बांस से तीन से चार सूप ही बनता है।

बिहार में बाढ़ आने से डंभा कम आया : सलाउद्दीन

बिहार के थोक विक्रेता मुहम्मद जाबार हुसैन, मुहम्मद सलाउद्दीन ने बताया कि बिहार के समस्तीपुर और मुजफ्फरपुर से रांची में दो एलपी ट्रक लगभग 300 पैकेट छठ पूजा में बेचने के लिए लाया गया है। पिछले साल की तुलना में इस बार दो ट्रक कम आवक हुआ है। क्योंकि बिहार में बाढ़ आने के कारण अधिकांश पेड़ सूख गये। मजदूरी, टोल टैक्स और गाड़ी भाड़ा महंगा होने की वजह से पिछले साल की तुलना में इस बार सात सौ रुपया अधिक महंगा में डंभा बेचना पड़ रहा है। एक पैकेट डंभा का मूल्य 2800-3000 रुपये है। जो पिछले साल से सात सौ रुपया अधिक है। इसके साथ ही इस बार 17 हजार रुपया एक एलपी का किराया देना पड़ा। जो पिछले साल रांची आने में 10 हजार रूपया ही खर्च करना पड़ा था।

जमीन फटने से बना गोफ, निकल रही आग की लपटें

धनबाद : जोगता थाना क्षेत्र के जोगता थाना क्षेत्र के 11 नम्बर हरिजन बस्ती में सोमवार की अहले सुबह दिल को दहला देने वाली घटना सामने आई. जब बस्ती के समीप अचानक जमीन फट गया और उससे आग की लपटें अचानक से बाहर निकलने लगी. पूरे इलाके की तापमान से बदलाव हो गया. जिसके बाद लोग गर्मी से परेशान हो गये और अपने घरों से बाहर निकल गये. इस दौरान पूरी बस्ती में अफरा तफरी का माहौल पैदा हो गया. सुबह की धुंध में भी लोगों को दिन का नजारा दिखाई देने लगा.वहीं, भू -धंसान से निकली रही जहरीली गैस के कारण लोगों को सांस लेने में भी दिक्कत होने लगी. किसी को कुछ समझ मे नहीं आ रहा था कि करे तो करे. सभी लोग सुरक्षित स्थान की तलाश में इधर उधर भाग रहे थे।

छठ के लिए बिहार जाने वाली ट्रेनों में भारी भीड़ बोगियों में पैर रखने की जगह नहीं

मेट्रो रेज

रांची : छठ महापर्व को लेकर बिहार जाने वाली ट्रेनों में जबरदस्त भीड़ हो रही है। रेलवे स्टेशन यात्रियों से खचाखच भरा रह रहा है। वहीं, मौर्य एक्सप्रेस और पटना जाने वाली ट्रेनों में किसी श्रेणी में सीट उपलब्ध नहीं है। मौर्य एक्सप्रेस में चार से छह नवंबर तक स्लीपर और एसी में 100 से ज्यादा वेटिंग मिल रहा है।

पटना जाने वाली ट्रेनों में 6 नवंबर तक सीट नहीं: पटना जाने वाली ट्रेन में भी चार से छह नवंबर तक स्लीपर और एसी में सीट उपलब्ध नहीं है। रविवार को रांची और हटिया स्टेशन से खुलने वाली इन दोनों रूट की ट्रेनों में काफी भीड़ रही। यात्री ट्रेन में चढ़ने के लिए मशक्कत करते दिखे। सिर पर सामान लेकर बोगी में प्रवेश करते नजर आये।

वंदे भारत में भी सीट नहीं है उपलब्धः रांची से पटना जाने वाली वीआइपी ट्रेन वंदे भारत में भी चार और छह नवंबर को सीट उपलब्ध नहीं है। चार नवंबर को सीसी बोगी में वेटिंग 55 और एग्जिक्यूटिव चेयर कार (इसी) में वेटिंग लिस्ट 21 मिल रहा है। वहीं, छह नवंबर को सीसी बोगी में वेटिंग 14 और एग्जिक्यूटिव चेयर कार (इसी) में वेटिंग चार मिल रहा है। इसके अलावा जनशताब्दी एक्सप्रेस में चार नवंबर को टू-एस में वेटिंग 24 और सीसी में 41 वेटिंग चल रहा है। पांच नवंबर को टू-एस में 51 और सीसी में 41 वेटिंग है।

छठ स्पेशल ट्रेन में वेटिंग भी नहीं मिल रहाः रांची से पटना के लिए छठ स्पेशल ट्रेन (08897) भी चलाया जा रहा है। इसमें चार नवंबर को स्लीपर और एसी सेकेंड और थर्ड में सीट उपलब्ध नहीं है। वहीं, पांच नवंबर को स्लीपर में वेटिंग 68, एसी थर्ड में वेटिंग 39 और एसी टू में वेटिंग 10 है।

सुविचार

सबसे मुश्किल रास्ता वह होता है जब आपको अकेले चलना पड़ता है, लेकिन वही रास्ता आपको मजबूत भी बनाता है।

ऑफिस जाना अच्छा

अमेरिका स्थित एक माइंड रिसर्च ऑर्गनाइजेशन की ओर से हाल में करवाई गई एक ग्लोबल स्टडी की रिपोर्ट ने वर्क कल्चर और मेंटल हेल्थ के रिश्तों पर नए सिरे से रोशनी डाली है। रिपोर्ट ऐसे समय आई है जब भारत में वर्कलोड और ऑफिस के तनाव भरे माहौल पर बहस गर्म है। खासकर पिछले दिनों पुणे में हुई 26 साल की एक चार्टर्ड अकाउंटेंट की मौत ने इस बहस को तेज कर दिया है। कोविड-19 के प्रभावों से वर्क फ्रॉम होम मॉडल का चलन बढ़ा था। एंप्लॉयीज का एक वर्ग अभी भी इसी को पसंद करता है और कंपनियों को उन्हें ऑफिस बुलाने में मुश्किलों का भी सामना करना पड़ा। लेकिन रिपोर्ट में यह तथ्य स्थापित हुआ है कि अकेले काम करने के बजाय टीम में काम करना मेंटल हेल्थ के लिए बेहतर होता है। खासकर भारत में वर्क फ्रॉम होम के मुकाबले वर्क फ्रॉम ऑफिस मोड अपनाने वालों के मेंटल हेल्थ इंडिकेटर्स बेहतर पाए गए। हालांकि अमेरिका औ? यूरोप में हाइब्रिड मोड (यानी कुछ दिन घर से काम और कुछ ऑफिस से) को सबसे अच्छा पाया गया। वर्क लोड और ऑफिस के माहौल का जहां तक सवाल है तो रिपोर्ट बताती है कि मेंटल हेल्थ इंडिकेटर्स का रिश्तों से बड़ा गहरा नाता है। मेंटल हेल्थ को बेहतर बनाए रखने वाला सबसे बड़ा फैक्टर है सहकर्मियों के साथ रिश्ता। सर्वे में यह बात सामने आई कि वर्कलोड औ? फ्लेक्सिबल टाइमिंग जैसे फैक्टर भी मानसिक स्वास्थ्य को प्रभावित करते हैं, लेकिन सबसे ज्यादा मायने रखता है साथ काम कर रहे लोगों के साथ रिश्ता पॉजिटिव है या नहीं, अपने काम के साथ गर्व का भाव जुड़ा है या नहीं और वर्कप्लेस पर पूछ है या नहीं। यह रिपोर्ट मेंटल हेल्थ से जुड़ी बहस को वर्क-लाइफ बैलेंस के पारंपरिक दायरे से आगे ले जाती है। इस मुद्दे को पर्सनल लाइफ और प्रफेशनल लाइफ के दो अलग-अलग खांचों में देखने की परिपाटी से अलग यह इस मसले पर संपूर्णता में विचार करती है जिससे यह तथ्य रेखांकित होता है कि मानसिक सेहत का मसला लोगों के साथ हमारे रिश्तों से जुड़ा है जो घर के भी हो सकते हैं और वर्कप्लेस के भी। वर्कप्लेस के जिन तनावों की बात अक्सर की जाती है, वे भी काफी हद तक सहकर्मियों के आपसी रिश्तों से निर्धारित होते हैं। निश्चित रूप से वर्कप्लेस पर बढ़ते तनाव के मसले को एंप्लॉयी-एंप्लॉयर संबंधों से पूरी तरह काटकर नहीं देखा जा सकता। इसका एक सिरा काम के घंटों और एंप्लॉयी से एंप्लॉयर्स की अपेक्षाओं से भी जुड़ता ही है, लेकिन रिपोर्ट ने कई अन्य अहम पहलुओं की ओर ध्यान खींचा है जो अक्सर बहस में अनदेखे रह जाते हैं। उम्मीद की जानी चाहिए कि इससे वर्कप्लेस को बेहतर बनाने के प्रयासों में और मजबूती आएगी।

अपना भला चाहते हैं ट्रूडो, भारत पर फिर लगाया बेतुका आरोप

कनाडा की जस्टिन ट्रूडो सरकार के रवैये को देखते हुए यह साफ है कि वह दोनों देशों के रिश्तों को सुधारने या इन्हें दोबारा पटरी पर लाने के बिल्कुल मूड में नहीं है। जिस तरह से बिना कोई ठोस सबूत मुहैया कराए वह भारत पर लगाए अपने आरोपों का दायरा बढ़ाती जा रही है, उसे द्विपक्षीय रिश्तों की बेहतरी की किसी भी भावना से जोड़ना मुश्किल है। यह काफी हद तक साफ तभी हो गया था जब पिछले साल महज सूचनाओं के आधार पर जस्टिन ट्रूडो ने अपने देश की संसद में यह आरोप लगा दिया था कि वहां हुई एक खालिस्तान समर्थक नेता हरदीप सिंह निज्जर की हत्या में भारत का हाथ है। तब भी भारत ने यही कहा था कि उनके पास अगर कोई ठोस सबूत हैं तो मुहैया कराएं, मामले की जांच कराई जाएगी। लेकिन उधर से कोई सबूत नहीं दिए गए। हुआ यह कि पिछले दिनों खुद ट्रूडो को एक समिति के सामने कबूल करना पड़ा कि उनके पास कोई सबूत नहीं थे। दिलचस्प है कि इस सार्वजनिक शर्मिंदगी के बाद भी उनकी सरकार के रुख में कोई बदलाव नहीं आया। वह अभी तक कोई सबूत नहीं दे पा रही है, लेकिन अलग-अलग तरीकों से आरोपों का दायरा बढ़ाती जा रही। पहले कनाडा में भारत के उच्चायुक्त को ह्यपर्सन ऑफ इंटरेस्टह्ल घोषित कर दिया और फिर अमेरिकी अखबार ह्यवॉशिंगटन पोस्टह्ल में स्टोरी प्लांट करवाई कि इस हत्या के पीछे भारत के गृहमंत्री का हाथ है। ऐसे में स्वाभाविक ही सवाल उठता है कि आखिर कनाडा की जस्टिन ट्रूडो सरकार इस तरह की हरकतें क्यों कर रही है जो अंतरराष्ट्रीय कूटनीति के तय मानकों में कहीं से फिट नहीं बैठतीं। घटनाओं और हालात के जरिए इसे समझने की कोशिश करें तो यह जाहिर हो जाता है कि वह घरेलू राजनीतिक दबावों और चुनावी फायदों से निर्देशित हो रही है। अंतरराष्ट्रीय कूटनीति के मानक और द्विपक्षीय रिश्तों की बेहतरी कम से कम फिलहाल उसकी प्राथमिकता में नहीं हैं। अफसोस की बात यह है कि इस स्थिति का प्रभाव न सिर्फ दोनों के रिश्तों पर बल्कि कनाडा में रह रहे या वहां पढ़ाई के लिए जाने की सोच रहे छात्रों और युवाओं पर पड़ रहा है। इन पहलुओं को देखते हुए ही इन हालात में भी भारत ने यह दोहराया है कि द्विपक्षीय रिश्तों के संदर्भ में आज भी उसकी मुख्य चिंता उन खालिस्तान समर्थक तत्वों की गतिविधियां ही हैं जिन्हें अभिव्यक्ति की आजादी के नाम पर बेलगाम छोड़ दिया गया है। देखना होगा कि कब कनाडा में अंदरूनी राजनीति के समीकरण बदलते हैं या कब वहां की सरकार अंतरराष्ट्रीय मामलों को घरेलू राजनीति के दबावों से अलग रखने का अनुशासन दिखा पाती है।

नेशनल कॉन्फ्रेंस और पीडीपी का देशविरोधी घोषणा पत्र

महात्मा गांधी ने भी संघ के 1934 के वर्धा के शिविर का दौरा किया था। संघ के उस शिविर में छूआछूत और ऊंचनीच का भाव न देखकर गांधी जी बहुत प्रभावित हुए थे। उन दिनों गांधी जी छूआछूत के खिलाफ अभियान चला रहे थे। उन्होंने तब माना था कि संघ के ऐसे प्रयास भारतीय समाज में बराबरी का भाव लाने में सफल हुए। राजनीति अक्सर महात्मा गांधी को लेकर संघ पर आरोप लगाती है कि वह महात्मा गांधी को नहीं मानता। संघ को सामाजिक रूप से बांटने को लेकर जब भी हमला किया जाता है, अक्सर गांधी विचार का ही सहारा लिया जाता है।

-उमेश चतुर्वेदी

मौजूदा दौर में शासन की सबसे बेहतरीन व्यवस्था जिस संसदीय लोकतंत्र को माना गया है, उसकी एक कमजोरी है। वोट बैंक की बुनियाद पर ही उसका समूचा दर्शन टिका है, इसलिए समाज को बांटना और उसके जरिए भरपूर समर्थन जुटाना उसकी मजबूरी है। यही वजह है कि कभी वह जानबूझकर, तो कभी अनजाने में समाज को बांटने की कोशिश करती नजर आती है। राजनीति के इन संदर्भों पर जब गौर करते हैं तो उसके ठीक उलट वैचारिकी से आगे बढ़ता हुआ एक संगठन दिखता है। निश्चित तौर पर वह संगठन राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ है। शतकीय यात्रा की ओर बढ़ रहा संघ हिंदू समाज को एक रखने के ध्येय वाक्य से रंच मात्र भी पीछे नहीं हटा।

लेकिन राजनीति को जब भी मौका मिलता है, वह संघ को अपने दायरे में खींचने और उसको सवालों के कठघरे में खड़ा करने की कोशिश करने लगती है। राजनीति को संघ को सवालों के घेरे में लाने का मौका हाल ही में मथुरा में दिए सर कार्यवाह दत्तात्रेय होसबोले के बयान से मिला है। दत्तात्रेय होसबोले ने हिंदू समाज को एक रखने के संदर्भ में योगी आदित्यनाथ के बयान ह्यकटोगे तो बंटोगेह्ल का समर्थन किया है। योगी आदित्यनाथ ने पहली बार यह विचार अगस्त महीने में लखनऊ में कल्याण सिंह की याद में आयोजित एक कार्यक्रम में जाहिर किया था। उन दिनों बांग्लादेश में शेख हसीना सरकार का तख्तापलट की घटना ताजा थी। उसके बाद वहां के अल्पसंख्यकों यानी हिंदुओं पर चौतरफा हमले और अत्याचार जारी थे। उसका हवाला देते हुए आदित्यनाथ ने हिंदू समाज को इस नारे के जरिए एक रहने का संदेश दिया था। चूंकि भारतीय राजनीति का एक बड़ा हिस्सा अब भी सेकुलरवाद के चश्मे से ही दुनिया को देखता है, लिहाजा उसके निशाने पर आदित्यनाथ का यह बयान आना ही था। आदित्यनाथ का यह बयान राजनीति की दुनिया के उनके विरोधियों को घोर सांप्रदायिक लगना ही था। और जब इस बयान का दत्तात्रेय होसबोले का भी साथ मिल गया तो सांप्रदायिकता के छद्म विचार के आवरण में राजनीति करने वाली ताकतों को मौका मिलना स्वाभाविक है।

संघ को संकुचित अर्थों में हिंदुत्व का समर्थक बताया जाता रहा है। ऐसा करते वक्त सावरकर के उस विचार को भुला दिया जाता है, जो यह बताता है कि भारत वर्ष में जो भी जन्मा है, वह हिंदू है। तीन देशों की सीमाओं में बंट चुके भारत में मौलिक रूप से कोई गैर हिंदू है ही नहीं। पाकिस्तान के पत्रकार वसीम अल्ताफ का ट्वीट दीपावली के दिन एक्स पर चर्चा में रहा। जिसमें उन्होंने लिखा था कि काश उनके भी पूर्वज कुछ और तनकर खड़े रहते तो उन्हें भी होली और दीपावली जैसे उत्साह वाले त्योहार मनाने को मिलते। अपने इस ट्वीट के जरिए एक तरह से वे जाहिर कर रहे थे कि उनके पूर्वज भी हिंदू ही थे। संघ इसी विचार को मानता है, भारतीय यानी हिंदू। भारतीय समाज को कभी सांप्रदायिकता के आवरण में बांटा गया तो कभी जाति की संकीर्ण सोच के बहाने। संघ अपने जन्म से ही दोनों ही वैचारिकी का विरोध करता रहा है। इसके बावजूद उस पर कभी ब्राह्मणवादी होने तो कभी कुछ का आरोप लगता रहा है। किसी भी संगठन के किसी भी व्यक्ति के निजी तौर पर अपने विचार हो सकते हैं, उसकी सोच का असर उसके व्यक्तित्व पर पड़ सकता है। लेकिन वैचारिक रूप से संघ में ऊंच-नीच, भेदभाव की सोच नहीं रही है।

महात्मा गांधी ने भी संघ के 1934 के वर्धा के शिविर का दौरा किया था। संघ के उस शिविर में छूआछूत और ऊंचनीच का भाव न देखकर गांधी जी बहुत प्रभावित हुए थे। उन दिनों गांधी जी छूआछूत के खिलाफ अभियान चला रहे थे। उन्होंने तब माना था कि संघ के ऐसे प्रयास भारतीय समाज में बराबरी का भाव लाने में सफल हुए। राजनीति अक्सर महात्मा गांधी को लेकर संघ पर आरोप लगाती है कि वह महात्मा गांधी को नहीं मानता। संघ को सामाजिक रूप से बांटने को लेकर जब भी हमला किया जाता है, अक्सर गांधी विचार का ही सहारा लिया जाता है। हालांकि संघ ने कभी ऐसी कोई मंशा जाहिर नहीं की। उलटे गांधी संघ के समानता के विचारों से प्रभावित रहे। जिसकी तसदीक उनके द्वारा ही प्रकाशित हरिजन पत्रिका के 28 सितंबर 1947 के अंक में प्रकाशित एक रिपोर्ट करती है। इस रिपोर्ट के मुताबिक, गांधी जी ने दिल्ली में सफाईकर्मियों की बस्ती में हुए संघ के एक कार्यक्रम में 16 सितंबर 1947 को हिस्सा लिया था। इस रिपोर्ट में लिखा है,₹गांधी जी ने कहा कि वे कई साल पहले वर्धा में राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के शिविर में गए थे, जब संस्थापक श्री हेडगेवार जीवित थे। स्वर्गीय श्री जमनालाल बजाज उन्हें शिविर में ले गए थे और वे (गांधी) उनके अनुशासन, अस्पृश्यता की पूर्ण अनुपस्थिति और कठोर सादगी से बहुत प्रभावित हुए थे।₹ पहले कर्नाटक और बाद में बिहार में हुई जाति जनगणना के बाद राजनीति का एक हिस्सा पूरे देश में जाति जनगणना कराने को लेकर अभियान छेड़े हुए है। भारत में पहली बार जाति जनगणना 1931 में हुई थी। अंग्रेजों ने इसका इस्तेमाल भारत में अपने राज बचाने की कोशिश के रूप किया था। शायद दूसरे विश्व युद्ध और स्वाधीनता आंदोलन की तेजी की वजह से 1941 में जनगणना नहीं हुई। आजादी के बाद 1951 की जनगणना की जब तैयारी चल रही थी तो राजनीति के एक हिस्से ने जाति जनगणना की मांग रखी थी। लेकिन जनगणना के प्रभारी मंत्री के नाते तत्कालीन स्वराष्ट्र मंत्री सरदार पटेल ने इस मांग को खारिज कर दिया था। पटेल का मानना था कि जाति जनगणना से सामाजिक तनाव बढ़ेगा और अंततः वह विखंडन को ही बढ़ावा देगा। कुछ ऐसी ही सोच संघ की भी है। हालांकि कुछ दिनों पहले संघ के प्रचार प्रमुख सुनील अंबेडकर ने जाति जनगणना का समर्थन किया था। जिससे माना गया था कि संघ भी जाति जनगणना के पक्ष में है। ऐसी सोच रखने वालों ने अंबेडकर के विचार के अगले हिस्से पर ध्यान नहीं दिया, जिसमें उन्होंने कहा था कि प्रशासनिक कार्यों के लिए ऐसे आंकड़े जुटाए जा सकते हैं, लेकिन उनका राजनीतिक दुरूपयोग नहीं होना चाहिए।

गांधी जी के बाद संघ शायद अकेला संगठन है, जिसके कार्यक्रम नियमित रूप से वंचित और मलिन बस्तियों में होते रहते हैं। समाज के हाशिए पर पड़े व्यक्तियों और समुदायों से बिना किसी भेदभाव के संघ लगातार संवाद करता रहता है। मलिन और वंचित बस्तियों में रोजगार और शिक्षा के साथ ही सफाई को लेकर संघ और उसके कार्यकर्ता आए दिन जुटे रहते हैं।

(लेखक वरिष्ठ पत्रकार एवं स्तम्भकार हैं)

भारत के आर्थिक विकास में जनजाति समाज का है भरपूर योगदान

भारतीय वन क्षेत्रों में पाए जाने वाले प्रमुख वनस्पतियों, पेड़ों एवं उत्पादित वस्तुओं में शामिल रहे हैं बबूल, बेर, चन्दन, धोक, धामन, धावडा, गुदी, हल्दू, इमली, जामुन, कजरी, खेजडी, खेडा, कुमटा, महुआ, नीम, पीपल, सागवान, आम, मुमटा, सालर, बानोटीया, गुलर, बांस, अरीठा, आंवला, गोंद, खेर, केलडी, कडैया, आवर, सेलाई वृक्षों से करा, कत्था, लाख, मौम, धोली व काली मुसली, शहद, आदि। इनमें से कई वनस्पतियों की तो औषधीय उपयोगिता है।

प्रहलाद सबनानी

भारत भूमि का एक बड़ा हिस्सा वनों एवं जंगलों से आच्छादित है। भारतीय नागरिकों को प्रकृति का यह एक अनोखा उपहार माना जा सकता है। इन वनों एवं जंगलों की देखभाल मुख्य रूप से जनजाति समाज द्वारा की जाती रही है। जनजाति समाज की विकास यात्रा अपनी भूख मिटाने एवं अपने को सुरक्षित रखने के उद्देश्य से केवल वनों के इर्द गिर्द चलती रहती है। वास्तविक अर्थों में इसीलिए जनजाति समाज को धरतीपुत्र भी कहा जाता है। प्राचीन काल से केवल प्रकृति ही जनजाति समाज की सम्पत्ति मानी जाती रही है, जिसके माध्यम से उनकी सामाजिक, आर्थिक एंव पारिस्थितिकीय आवश्यकताओं की पूर्ति होती रहती है। ऐसा कहा जाता है कि अनादि काल से जनजाति संस्कृति व वनों का चोली दामन का साथ रहा है और जनजाति समाज का निवास क्षेत्र वन ही रहे हैं। इस संदर्भ में यह भी कहा जा सकता है कि वनों ने ही जनजातीय जीवन एंव संस्कृति के उद्भव, विकास तथा संरक्षण में अपनी आधारभूत भूमिका अदा की है। भील वनवासियों का जीवन भी वनों पर ही आश्रित रहता आया है। जनजाति समाज अपनी आजीविका के लिए वनों में उत्पन्न होने वाली विभिन्न प्रकार की वस्तुओं का उपयोग करते रहे हैं।

भारतीय वन क्षेत्रों में पाए जाने वाले प्रमुख वनस्पतियों, पेड़ों एवं उत्पादित वस्तुओं में शामिल रहे हैं बबूल, बेर, चन्दन, धोक, धामन, धावडा, गुदी, हल्दू, इमली, जामुन, कजरी, खेजडी, खेडा, कुमटा, महुआ, नीम, पीपल, सागवान, आम, मुमटा, सालर, बानोटीया, गुलर, बांस, अरीठा, आंवला, गोंद, खेर, केलडी, कडैया, आवर, सेलाई वृक्षों से करा, कत्था, लाख, मौम, धोली व काली मुसली, शहद, आदि। इनमें से कई वनस्पतियों की तो औषधीय उपयोगिता है। कुछ जड़ी बूटियों जैसे आंवला का बीज, हेतडी, आमेदा, आक, करनीया, ब्राह्मी, बोहडा, रोंजडा, भोग पत्तियां, धतुरा बीज, हड, भुजा, कनकी बीज, मेंण, अमरा, कोली, कादां, पडूला, गीगचा, इत्यादि का उपयोग रोगों के निवारण के लिए किया जाता रहा है। आमेदा के बीजों को पीसकर खाने से दस्त बंद हो जाते हैं। अरण्डी के तेल से मालिश एंव पत्तों को गर्म करके कमर में बांधने से दर्द कम हो जाता है। बुखार को ठीक करने के लिए कड़ा वृक्ष के बीजों को पीस कर पीते हैं। जोडों में दर्द ठीक करने के लिए ग्वार व सैजने के गोंद का उपयोग करते हैं। फोडे फुन्सियों एवं चर्म रोग को ठीक करने के लिए नीम के पत्तों को उबालकर पीते हैं। इसके अलावा तुलसी, लौंग, सोठ, पीपल, काली मिर्च का उपयोग बुखार एवं जुखाम ठीक करने के लिए किया जाता है। शुरूआती दौर में तो जनजाति समाज उक्त वर्णित वनस्पतियों एवं उत्पादों का उपयोग केवल स्वयं की आवश्यकताओं की पूर्ति के लिए ही करते रहे हैं परंतु हाल ही के समय में इन वनस्पतियों का उपयोग व्यावसायिक रूप से भी किया जाने लगा है। व्यावसायिक रूप से किए जाने वाले उपयोग का लाभ जनजाति समाज को न मिलकर इसका पूरा लाभ समाज के अन्य वर्गों के लोग ले रहे हैं। उक्त वनस्पतियों एवं उत्पादों का व्यावसायिक उपयोग करने के बाद से ही प्रकृति का दोहन करने के स्थान पर शोषण किया जाने लगा है क्योंकि कई उद्योगों द्वारा उक्त उत्पादों का कच्चे माल के रूप में उपयोग किया जाने लगा है। इससे ध्यान में आता है कि जनजाति समाज द्वारा देश की अर्थव्यवस्था में विकास को गति देने के उद्देश्य से अपनी भूमिका का निर्वहन तो बहुत सफल तरीके से किया जाता रहा है परंतु अर्थव्यवस्था के विकास का लाभ जनजातियों तक सही मात्रा में पहुंच नहीं सका है। हालांकि भारत में प्राचीन काल से ही जनजाति समाज जंगलों में अपना जीवन यापन करता रहा है और वनोपज (जैसे मध्यप्रदेश में तेन्दु पत्ता को एकत्रित करना) को एकत्रित करता रहा है परंतु अब धीरे धीरे अपने आप को यह समाज कृषि कार्य एवं पशुपालन जैसे अन्य कार्यों में भी संलग्न करने लगा है। जनजाति समाज ने बिना किसी भय के सघन वनों में जंगली जानवरों व प्राकृतिक आपदाओं से लड़ते हुए अपने जीवन को संघर्षमय बनाया है। जनजाति समाज ने कृषि कार्य के लिए सर्वप्रथम जंगलों को काटकर जलाया। भूमि साफ कर इसे कृषि योग्य बनाया और पशुपालन को प्रोत्साहन दिया। विकास की धारा में आगे बढ़ते हुए धीरे-धीरे विभिन्न गावों एवं कस्बों का निर्माण किया। आज भी जनजाति समाज की अधिकांश जनसंख्या दुर्गम क्षेत्रों में निवास करती है। इन इलाकों में संचार माध्यमों का अभाव है। हालांकि धीरे धीरे अब सभी प्रकार की सुविधाएं इन सुदूर इलाकों में भी पहुंचाई जा रही हैं। परंतु, अभी भी जनजातीय समाज कृषि सम्बन्धी उन्नत विधियों से अनभिज्ञ है। सिंचाई साधनों का अभाव एवं उपजाऊ भूमि की कमी के कारण ये लोग परम्परागत कृषि व्यवस्था को अपनाते रहे हैं और इनकी उत्पादकता बहुत कम है। जनजाति समाज ने वनों के सहारे अपनी संस्कृति को विकसित किया। घने जंगलों में विचरण करते हुए उन्होंने जंगली जानवरों शेर, भालु, सुअर, गेंडे, सर्प, बिच्छु आदि से बचने के लिए आखेट का सहारा लिया। वनों एवं पहाडियों के आन्तरिक भागों में रहते हुए भील समाज शिकार करके अपनी आजीविका चलाता रहा है। भील समाज जंगलों में झूम पद्धति से खेती, पशुपालन, एवं आखेट कर अपने परिवार का पालन पोषण करते रहे हैं।

घने जंगलों में जनजाति समाज को प्रकृति द्वारा, स्वछंद वातावरण, स्वच्छ जल, नदियां, नाले, झरने, पशु पक्षियों का कोलाहल, सीमित तापमान, हरियाली, आर्द्रता, समय पर वर्षा, मिटटी कटाव से रोक, आंधी एंव तूफानों से रक्षा, प्राकृतिक खाद, बाढ़ पर नियंत्रण, वन्य प्राणियों का शिकार व मनोरंजन इत्यादि प्राकृतिक रूप से उपलब्ध कराया जाता रहा है। इसी के चलते जनजाति समाज घने जंगलों में भी बहुत संतोष एवं प्रसन्नता के साथ रहता है। जनजाति समाज आज भी भारतीय संस्कृति का वाहक माना जाता है क्योंकि यह समाज सनातन हिंदू संस्कृति का पूरे अनुशासन के साथ पालन करता पाया जाता है। जनजाति समाज आज भी आधुनिक चमक दमक से अपने आप को बचाए हुए है। इसके विपरीत शहरों में रहने वाला समाज समय समय पर भारतीय परम्पराओं में अपनी सुविधानुसार परिवर्तन करता रहता है। हाल ही के समय में अत्यधिक आर्थिक महत्वकांक्षा के चलते वनों का अदूरदर्शितापूर्ण ढंग से शोषण किया जा रहा है। विश्व पर्यावरण एवं विकास आयोग के अनुसार विश्व में प्रतिवर्ष 110 लाख हैक्टर भूमि के वन नष्ट किये जा रहे है। पर्यावरण विशेषज्ञों के अनुसार प्रत्येक देश में उपलब्ध भूमि के लगभग 33 प्रतिशत भाग पर वन होना आवश्यक है। यदि वनों का इस प्रकार कटाव होता रहेगा तो जनजाति समाज पर विपरीत प्रभाव पड़ना स्वाभाविक ही है।

भारत द्वारा इस संदर्भ में कई प्रयास किए जा रहे हैं। देश में वनों के कटाव को रोकने के लिए वर्ष 2015 एवं 2017 के बीच देश में पेड़ एवं जंगल के दायरे में 8 लाख हेक्टेयर भूमि की वृद्धि दर्ज की है। साथ ही, भारत ने वर्ष 2030 तक 2.10 करोड़ हेक्टेयर जमीन को उपजाऊ बनाने के लक्ष्य को बढ़ाकर 2.60 करोड़ हेक्टेयर कर दिया है ताकि वनों के कटाव को रोका जा सके। भारत में सम्पन्न हुई वर्ष 2011 की जनगणना के अनुसार भारत में अनुसूचित जनजातियों की कुल जनसंख्या 10.43 करोड़ है, जो भारत की कुल जनसंख्या का 8.6 प्रतिशत है। जनजाति समाज को देश के आर्थिक विकास में शामिल करने के उद्देश्य से केंद्र एवं राज्य सरकारों द्वारा कई योजनाएं चलाई जा रही हैं ताकि इस समाज की कठिन जीवनशैली को कुछ हद तक आसान बनाया जा सके।

हनुमान जी की पूजा के समय करें इस स्त्रोत का पाठ

हिंदू धर्म में हर दिन किसी न किसी देवी-देवता को समर्पित होता है। जैसे मंगलवार का दिन हनुमान जी को समर्पित होता है। हनुमान जी को प्रभु श्रीराम का अनन्य भक्त माना जाता है। मंगलवार के दिन जो भी जातक हनुमान जी के सच्चे मन और विधि-विधान से पूजा करता है, उसकी सभी मनोकामनाएं पूरी होती हैं। वहीं मंगलवार का व्रत करने से जातक को हर कार्य में सफलता मिलती है और सभी कार्य बनने लगते हैं। वहीं ज्योतिष भी कार्य में सफलता पाने के लिए हनुमान जी की पूजा करने की सलाह देते हैं।

बता दें कि हनुमान जी की विधि-विधान से पूजा करने से कुंडली में अशुभ ग्रहों का प्रभाव भी खत्म हो जाता है। वहीं जातक के जीवन में भी मंगल का आगमन होता है। यदि आप आर्थिक तंगी और कष्टों से निजात पाना चाहते हैं, तो आपको मंगलवार के दिन स्नान आदि के बाद विधि-विधान से हनुमान जी की पूजा करनी चाहिए औ? पूजा के दौरान ऋणमोचन स्त्रोत का पाठ करना चाहिए। इस स्त्रोत का पाठ करने से व्यक्ति को कर्ज से मुक्ति मिलती है और आर्थिक स्थिति ठीक हो जाती है।

ऋणमोचन अङ्गारकस्तोत्रम

रक्तमाल्याम्बरधरः शूलशक्तिगदाधरः ।
चतुर्भुजो मेषगतो वरदश्च धरासुतः ॥
मङ्गलो भूमिपुत्रश्च ऋणहर्ता धनप्रदः ।
स्थिरासनो महाकायो सर्वकामफलप्रदः ॥
लोहितो लोहिताक्षश्च सामगानां कृपाकरः ।
धरात्मजः कुजो भौमो भूमिदो भूमिनन्दनः ॥
अङ्गारको यमश्चैव सर्वरोगापहारकः ।
सृष्टेः कर्ता च हर्ता च सर्वदेशैश्च पूजितः ॥
एतानि कुजनामानि नित्यं यः प्रयतः पठेत ।
ऋणं न जायते तस्य श्रियं प्राप्नोत्यसंशयः ॥
अङ्गारक महीपुत्र भगवन् भक्तवत्सल ।
नमोऽस्तु ते ममाशेषं ऋणमाशु विनाशय ॥
रक्तगन्धैश्च पुष्पैश्च धूपदीपैगुडोदनैः ।
मङ्गलं पूजयित्वा तु मङ्गलाहनि सर्वदा ॥
एकविंशति नामानि पठित्वा तु तदन्तिके ।
ऋणरेखा प्रकर्तव्या अङ्गारेण तदग्रतः ॥
ताश्च प्रमार्जयेन्नित्यं वामपादेन संस्मरन् ।
एवं कृते न सन्देहः ऋणान्मुक्तः सुखी भवेत ॥
महतीं श्रियमाप्नोति धनदेन समो भवेत ।
भूमिं च लभते विद्वान् पुत्रानायुश्च विन्दति ॥

मूलमन्त्रः

अङ्गारक महीपुत्र भगवन् भक्तवत्सल ।
नमस्तेऽस्तु महाभाग ऋणमाशु विनाशय ॥
अर्घ्यम । भूमिपुत्र महातेजः स्वेदोद्भव पिनाकिनः ।
ऋणार्थस्त्वां प्रपन्नोऽस्मि गृहाणार्घ्यं नमोऽस्तु ते ॥

स्तोत्र के लाभ

इस स्त्रोत का रोजाना जाप करने से जातक पर हनुमान जी की विशेष कृपा होती है। वहीं हनुमान जी की कृपा से व्यक्ति को जीवन में सभी प्रकार के सुखों की प्राप्ति होती है और आर्थिक तंगी से छुटकारा मिलता है।

टिप्स

क्या आप जानते हैं तुलसी के पौधे से जुड़े ये वास्तु टिप्स

सनातन धर्म में तुलसी का पौधा बेहद पूजनीय होता है। मान्यता के अनुसार, घर में तुलसी का पौधा रखने से घर में सकारात्मक ऊर्जा बनी रहती है। घर से नकारात्मक एनर्जी दूर होती और जीवन में धन, सुख-समृद्धि और खुशहाली आती है। इसके साथ ही कार्तिक माह में घर में तुलसी का पौधा लगाना और उसकी पूजा करने शुभ फलदायी होता है। हालांकि, जब भी आप अपने घर में तुलसी का पौधा लगाते हैं तो कुछ बातों का ध्यान रखना जरुरी है। आइए जानते हैं तुलसी से जुड़े वास्तु टिप्स।

तुलसी के पौधे से जुड़े वास्तु टिप्स

- वास्तु के मुताबिक, तुलसी का पौधा उत्तर-पूर्व दिशा में लगाना अति शुभ माना गया है। इसके अलावा, दक्षिण दिशा में तुलसी का पौधा नहीं लगाएं। यह जीवन में नकारात्मक ऊर्जा को आकर्षित करता है।
- तुलसी के पौधे के पास डस्टबिन, शूज और झाड़ू रखना नहीं चाहिए।
- आप चाहे तो तुलसी के पौधे को फूलों के पौधों के पास रख सकते हैं, लेकिन इसे कैक्टस के पास न रखें। वरना घर की नेगेटिविटी को बढ़ा देता है।
- घर में विषम संख्या में 1, 3 या 5 तुलसी का पौधा लगाना शुभ माना जाता है। वहीं, सम संख्या में 2, 4 या 6 तुलसी के पौधे नहीं लगाना चाहिए।
- तुलसी का पौधा सदैव ऊंचा स्थान पर रखें।
- तुलसी के सूखे पौधे को घर पर कभी भी न रखें। इसको आपको जल्द ही घर से हटा दें। इसके जगह नया पौधा लगा दें।

मेट्रो रेज की ओर से स्वत्वाधिकारी, प्रकाशक एवं मुद्रक जीतेन्द्र कुमार सिंह के लिए जेके न्यूज नेटवर्क, पिपरटोली, अरगोड़ा, रांची 834002 (झारखंड) से प्रकाशित तथा शिवासाईं पब्लिकेशन प्राइवेट लिमिटेड, नियर टेंडर बागीचा, पेट्रोल पंप रातू रोड, रांची , (झारखंड) से मुद्रित।

प्रधान संपादक : जीतेन्द्र कुमार सिंह, **संपादक** : लाल दिवाकर नाथ शाहदेव*, *पीआरबी एक्ट के तहत खबरों के चयन के लिए जिम्मेदार। समस्त दिवानी विवादों, न्यायोचित कार्रवाइयों एवं दंडित परिवादों के लिए क्षेत्राधिकार रांची न्यायालय में रहेगा। फोन : 7369017908, R.N.I. No.-JHAHIN/2017/75028 **website :** www.metrorays.in

email : metrorays.ranchi@gmail.com

बैटरी चोरी करते युवक धराया

साहिबगंज : मुफस्सिल थाना पुलिस ने एक ट्रैक्टर की बैटरी चोरी करते हुए युवक को रंगे हाथों पकड़ लिया। मुफस्सिल थाना प्रभारी मदन कुमार ने बताया कि मामले में महादेवगंज, नीचे टोला निवासी कन्हैया कुमार (19) को गिरफ्तार कर न्यायिक हिरासत में भेजने की प्रक्रिया की जा रही है।

पति ने धारदार हथियार से दाहिना हाथ का हथेली काटा

साहिबगंजः जिरवाबाड़ी थाना क्षेत्र के छोटा लोहंडा में शनिवार की रात एक पति अपनी पत्नी का हाथ काट उसे लेकर फरार हो गया। बाद में घायल पत्नी को इलाज के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया। जहां घायल महिला लक्ष्मी कुमारी (20) ने बताया कि एनजीओ की ओर सिलाई-बुनाई का काम करने तमिलनाडु गई थी। दो दिन पहले की घर लौट कर आई है। शनिवार की रात लगभग 9 बजे उसका पति वीर कुमार मुंडा अपने दोस्त प्रताप उरांव के साथ घर आया। उसने शराब पीने के लिए सब्जी मांगी। शराब पीने के बाद दोनों झगड़ने लगे। फिर अचानक उसके पति ने उसे पकड़ लिया और अपने दोस्त को कहा कि इसका हाथ काट दो। लेकिन उसके विरोध करने व चिल्लाने पर उसका दोस्त पीछे हट गया। फिर पति ने अपने दोस्त को उसे पकड़ने बोला। उसके दोस्त ने मुझे पकड़ लिया फिर उसके पति ने धारदार हथियार से उसका दाहिना हाथ हथेली से काट दिया। उसके बेहोश होने पर दोनों उसका कटा हाथ लेकर फरार हो गए। उसने बताया कि अभी दो वर्ष पहले ही वीर कुमार मुंडा से उसकी शादी हुई है। अभी बच्चे नहीं हैं। उसने थाना पहुंच इसकी जानकारी दी। जिसके बाद उसे इलाज के लिए सदर अस्पताल भेज दिया गया। पुलिस ने अस्पताल पहुंच घायल का फर्द बयान लेते हुए मामले की छानबीन शुरू कर दी है।

डीसी ने मतदान केंद्रों का निरीक्षण कर सुविधाओं का लिया जायजा

साहिबगंज : विधानसभा निर्वाचन 2024 के निमित्त जिला निर्वाचन पदाधिकारी -सह- उपायुक्त हेमंत सती ने साहिबगंज प्रखण्ड के विभिन्न मतदान केंद्रों का निरीक्षण कर वस्तुस्थिति का जायजा लिया ।इस क्रम में जिला निर्वाचन पदाधिकारी के द्वारा प्रखण्ड साहेबगंज में अब तक किए गए चुनाव कार्यों के अद्यतन प्रतिवेदन की जानकारी लेते हुए निष्पक्ष मतदान को लेकर पदाधिकारी को कई आवश्यक व उचित दिशा निर्देश दिए । इसके पश्चात साहिबगंज प्रखंड अंतर्गत बूथ संख्या- 55 पंचायत भवन रामपुर सकरीगली, बूथ संख्या- 56 राजकीय प्राथमिक विद्यालय समदानाला सकरीगली, बूथ संख्या 57, 58 उत्क्रमित मध्य विद्यालय समदा सीज का निरीक्षण कर बूथों पर पेयजल की व्यवस्था, साफ-सफाई, कर्मियों के रहने की व्यवस्था, कुर्सी- टेबल इत्यादि की व्यवस्था का जायजा लेकर आवश्यक व उचित दिशा निर्देश दिए। विधानसभा निर्वाचन के दौरान जिला अंतर्गत सभी मतदान केंद्रों पर आवश्यक मूलभूत एवं आधारभूत संरचनाओं की उपलब्धता को लेकर जिला निर्वाचन पदाधिकारी के द्वारा आवश्यक दिशा-निर्देश दिए ।बूथ निरीक्षण के क्रम में उपायुक्त ने बीएलओ, सुपरवाईजर को निदेशित करते हुए कहा कि शत प्रतिशत मतदान के लिए मतदाताओं की भागीदारी अत्यंत आवश्यक है। ऐसे में अपने-अपने क्षेत्रों में भ्रमण कर मतदाताओं को शत प्रतिशत मतदान के लिए जागरूक करें ।ताकि ज्यादा से ज्यादा संख्या में मतदाता अपने मत का उपयोग सुनिश्चित कर सकें।
मौके पर अंचलाधिकारी सोम नाथ टुडू, सेक्टर मजिस्ट्रेट, संबंधित बूथ के बीएलओ उपस्थित थे।

युवक ने अपने आप को मारी गोली हो गई मौत

साहिबगंज : जिरवाबाड़ी थाना क्षेत्र के सकरुगढ़,गैस गोदाम में रविवार को दोपहर एक युवक ने अपनी कनपट्टी में गोली मार कर आत्महत्या कर ली ।परिजन आननफानन में उसे लेकर सदर अस्पताल पहुंचे ।जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। अजीत पासवान (37) वाहन चालक का काम करता था। मृतक की मां ने पुलिस को बताया कि घर में किसी बात को लेकर पति व पत्नी में झगड़ा को हो रहा था ।इसी बीच अजीत ने दाहिनी कनपट्टी में खुद को गोली मार ली ।इधर घटना के बाद परिजनों का रो-रो कर बुरा हाल है ।पुलिस मामले की छानबीन कर रही है।

भूतपूर्व सैनिक ने अपने ऊपर हमला कि शिकायत नगर थाना में

साहिबगंज : नगर थाना क्षेत्र के कुलीपाडा निवासी भूतपूर्व सैनिक सुनील कुमार ने नगर थाना को लिखित शिकायत कर अपने ऊपर हमला होने का आरोप गुलीभट्टा निवासी संजीव कुमार गुप्ता पर लगाया ।सुनील तांती ने अपने दिए आवेदन में शिकायत किया की 1 नवंबर को शाम 6 बजे कुलीपाड़ा स्थित अपने आवास पर बैठा था तभी बम काली की ओर से पूजा का प्रसाद बाँटा जा रहा था ।इस दरमियांन हमने कहा कि चंदा मैंने भी दिया हैं। मुझे भी प्रसाद दो ।इस पर संजीव गुप्ता नाम का लड़का जो शराब के नशे में धुत था मेरे साथ झगड़ा करने लगा जब मैंने विरोध में कुछ कहा तो उसने फोन कर 30-40 लड़के को बुला लिया और फिर मेरे साथ मारपीट किया मेरे घर पर भी हमला किया ।वही पुलिस मामले में जाँच कर कार्यवाही का आश्वासन दिया हैं।

पाटन में खुला कांग्रेस पार्टी का चुनावी कार्यालय

पलामूः पाटन प्रखंड के किशनपुर, नया जयपुर एवं पाटन में कांग्रेस पार्टी का चुनावी कार्यालय खुला. इसका उद्घाटन कांग्रेस प्रत्याशी पाटन छतरपुर विधानसभा क्षेत्र राधा कृष्ण किशोर ने फिता काटकर किया. मौके पर झारखंड मुक्ति मोर्चा के प्रखंड अध्यक्ष रंजीत कुमार सिंह, बीस सूत्री उपाध्यक्ष उमाशंकर सिंह के द्वारा फिता काटकर कार्यालय का उद्घाटन किया. जहां पर काफी संख्या में लोग मौजूद थे. मौके पर राकेश दुबे, दया सिंह, शक्ति शंकर गुप्ता, राजकुमार गुप्ता, छवी नाथ मांझी, धनवंत चौधरी, शिव प्रसाद मेहता, किशनपुर पंचायत की मुखिया सुमन गुप्ता, अजय पासवान, पूर्व पंचायत समिति सदस्य मकबूल अंसारी व लक्ष्मण मांझी समेत अन्य लोग मौजूद थे.

भाजपा जिला पार्षद ने सपा प्रत्याशी को दिया समर्थन

पलामूः भाजपा प्रदेश कार्यसमिति सदस्य सह उंटारी रोड जिला पार्षद अरविंद सिंह ने पार्टी से बगावत करते हुए सपा प्रत्याशी अंजू सिंह को समर्थन देने की घोषणा कर दी. उंटारी रोड प्रखंड मुख्यालय में रविवार को आयोजित पार्टी के बागी कार्यकताओं, समर्थकों व पंचायत प्रतिनिधियों के साथ बैठक के बाद उन्होंने यह ऐलान किया. इसके बाद उन्होंने उंटारी रोड प्रखंड मुख्यालय में समाजवादी पार्टी के चुनावी कार्यालय का उद्घाटन बतौर मुख्य अतिथि फीता काट कर किया. मौके पर सिंह ने कहा कि बिश्रामपुर विधानसभा क्षेत्र में परिवर्तन की लहर चल पड़ी है. जनता के सहयोग से यहां नया सवेरा होने वाला है. इसके लिए जात पात और पार्टी से ऊपर उठकर अच्छे प्रत्याशी का चयन करना बेहद जरूरी है. ताकि क्षेत्र का संपूर्ण विकास हो सके. उन्होंने कहा कि हमारा विरोध भाजपा से नहीं है प्रत्याशी से है.

हेमंत सोरेन के प्रस्तावक हुए भाजपा में शामिल शिवराज और हिमंता ने दिलाई पार्टी की सदस्यता

मेट्रो रेज संवाददाता

देवघरः रविवार की रात देवघर में बड़ी राजनीतिक गहमागहमी देखने को मिली. क्योंकि रविवार रात गोड्डा सांसद निशिकांत दुबे के आवास पर भारतीय जनता पार्टी के सभी बड़े नेता मौजूद दिखे. इसका जब पटाक्षेप हुआ तो एक बड़ी तस्वीर सभी के सामने आई. रविवार देर रात गोड्डा सांसद निशिकांत दुबे के आवास पर केंद्रीय मंत्री सह चुनाव प्रभारी शिवराज सिंह चौहान, असम के मुख्यमंत्री व सह प्रभारी हिमंता बिस्वा सरमा, सांसद निशिकांत दुबे, लक्ष्मीकांत वाजपेई, सीता सोरेन, भाजपा के कार्यकारी प्रदेश अध्यक्ष रविंदर रॉय सहित कई वरिष्ठ नेताओं की मौजूद रहे. उनकी मौजूदगी में सिदो कान्हू के वंशज और मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन के बरहेट विधानसभा से प्रस्तावक मंडल मुर्मू को भारतीय जनता पार्टी की सदस्यता ग्रहण कराई गयी.
मंडल मुर्मू को पार्टी की सदस्यता ग्रहण करने के बाद असम के मुख्यमंत्री ने कहा कि मंडल मुर्मू शहीद सिदो कान्हू के वंशज हैं. भारतीय जनता पार्टी हमेशा ही शहीद परिवारों का सम्मान करती आई है. इसीलिए आज मंडल मुर्मू को भारतीय जनता पार्टी की सदस्यता ग्रहण कराई गयी. भाजपा वीर सिदो कान्हू के वंशज मंडल मुर्मू को बरहेट विधानसभा से हेमंत सोरेन के खिलाफ चुनाव लड़ना चाहती थी. लेकिन मंडल मुर्मू ने खुद ही चुनाव लड़ने से मना कर दिया, उनका मानना है कि जब वह हेमंत सोरेन के प्रस्तावक हैं तो बीजेपी से विधानसभा चुनाव का प्रत्याशी बनाकर पार्टी नहीं बनना चाहते.
हिमंता बिस्वा सरमा ने कहा कि इस कारण से भाजपा ने उन्हें बरहेट विधानसभा से प्रत्याशी नहीं बनाया है. लेकिन आज पार्टी की सदस्यता ग्रहण करने के बाद यह साबित हो गया है कि हेमंत सोरेन खुद को चाहे जितना भी आदिवासियों के शुभचिंतक बनते हों. लेकिन आदिवासी हेमंत सोरेन के ढकोसले चेहरे को जान चुके हैं. मंडल मुर्मू के भाजपा में आने से संथाल में बदल रही डेमोग्राफी पर नियंत्रण किया जा सकता है. आने वाले समय में उनके साथ मिलकर संथाल की बदलते डेमोग्राफी पर काम किया जाएगा.
वहीं सदस्यता ग्रहण करवाने के लिए देवघर पहुंचे झारखंड के चुनाव प्रभारी सह केंद्रीय मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने कहा कि मंडल मुर्मू का भाजपा में स्वागत है. झारखंड की बेटी, माटी और रोटी को बचाने के लिए भाजपा अब मंडल मुर्मू के साथ मिलकर काम करेंगे. उनके आने से इस चुनाव में पार्टी और भी मजबूत होगी और यह जो परिवर्तन की लहर चली है, वह चुनाव परिणाम में देखने को मिलेगा.
वहीं भाजपा की सदस्यता ग्रहण करने के बाद सिदो कान्हू के वंशज मंडल मुर्मू ने कहा कि आज वह अपनी मर्जी से भारतीय जनता पार्टी की सदस्यता ग्रहण कर रहे हैं. क्योंकि संथाल क्षेत्र में जिस तरह से आदिवासियों की संख्या घट रही है. इस पर रोक लगाने के लिए बीजेपी के साथ मिलकर ही काम करना पड़ेगा.
बता दें कि सिदो कान्हू के वंशज मंडल मुर्मू वर्तमान में हेमंत सोरेन के प्रस्तावक हैं. पिछले कई दिनों से उनके भाजपा में आने की खबरें सामने आई थी. इसको लेकर खूब राजनीति भी हुई. सीएम हेमंत सोरेन ने खुद एक सभा में भाजपा पर आरोप लगाते हुए कहा था कि ये वो लोग हैं जो हमारा प्रस्तावक तक चुरा लेते हैं. ऐसे में उनका भारतीय जनता पार्टी में आना निश्चित रूप से विधानसभा चुनाव में एक बड़ा राजनीतिक बदलाव देखने को मिल सकता है.

भगवान चित्रगुप्त की हुई पूजा आराधना

मेट्रो रेज संवाददाता

साहिबगंज : यम द्वितीया के अवसर पर 3 नवंबर रविवार को साहिबगंज शहर के साक्षरता मोड़ के निकट स्थित चित्रगुप्त भगवान के मंदिर में सामूहिक पूजा अर्चना का कार्यक्रम आयोजित किया गया ।चित्रगुप्त परिवार न्यास समिति के द्वारा आयोजित सामूहिक पूजा अर्चना में साहिबगंज शहर के कायस्थ परिवार के सभी सदस्य शामिल हुए ।पूजा अर्चना साहिबगंज शहर के जाने-माने पुरोहित पंडित प्रमोद पांडे एवं आचार्य गोकर्ण शास्त्री के द्वारा वैदिक मंत्र कर के साथ कराया गया. कार्यक्रम में न्यास समिति के अध्यक्ष कल्याण प्रसाद श्रीवास्तव सचिव आलोक वर्मा के अलावा प्रमुख सदस्यों में प्रोफेसर अरुण कुमार सिन्हा डॉक्टर शकुंतला सहाय दयानंद प्रसाद विनय कुमार चंदन श्रीवास्तव राजीव निरंजन सिन्हा कुमार चंदन कैलाश वर्मा अशोक सिंह सुधीर श्रीवास्तव विजय कर्ण कमलाकांत श्रीवास्तव सहित साहिबगंज में निवास करने वाले कायस्थ परिवार के सभी सदस्य उपस्थित थे ।इस अवसर पर न्यास समिति के अध्यक्ष कल्याण श्रीवास्तव ने बताया कि भगवान श्री चित्रगुप्त की काया से उत्पन्न सभी सदस्य कायस्थ परिवार के सदस्य कहलाते हैं.कार्तिक मास की शुक्ल पक्ष के द्वितीया तिथि पर भगवान श्री चित्रगुप्त जी के विशेष पूजा अर्चना आदिकाल से होती आ रही है.साहिबगंज शहर में 1981 से अस्थाई रूप से निर्मित मंदिर में पूजा अर्चना का कार्यक्रम आयोजित होता है जबकि इससे पूर्व रॉबर्टशन क्लब बंगाली टोला और रेलवे जेनरल इंस्टीच्यूट में पूजा का आयोजन होता था.स्थाई मंदिर में भगवान श्री चित्रगुप्त के स्थाई प्रतिमा का भी पिछले वर्ष प्राण प्रतिष्ठा आयोजित किया जा चुका है. सचिव आलोक वर्मा ने बताया कि चित्रगुप्त पूजन उत्सव के अवसर पर विशेष रूप से संध्या के समय भजन कीर्तन का भी आयोजन स्थानीय कलाकारों के द्वारा संपन्न हुआ।

बैद्यनाथ राम ने किया बालूमाथ में चुनावी कार्यालय का उद्घाटन

लातेहारः लातेहार विधानसभा क्षेत्र से झामुमों प्रत्याशी सह झारखण्ड सरकार के मंत्री बैजनाथ राम व झामुमो जिलाध्यक्ष लाल मोतीनाथ शाहदेव ने संयुक्त रूप से बालूमाथ प्रखंड मुख्यालय स्थित होटल प्रतिक्षा के समीप चुनावी कार्यालय का विधिवत फीता काटकर उद्घाटन किया. मौके पर बोलते हुए महागठबंधन के प्रत्याशी सह वर्तमान शिक्षा मंत्री बैजनाथ राम ने कहा कि उनका किसी से कोई मुकाबला नहीं है. राज्य में वर्तमान हेमंत सोरेन सरकार ने युवाओं, महिलाओं एवं गरीबों के लिए कई कल्याणकारी योजनाएं चलाई है, जिसका लाभ सीधा चुनाव में मिलेगा. वहीं झामुमो के जिला अध्यक्ष मोती लाल शाहदेव ने गठबंधन के कार्यकताओं को चुनाव को लेकर कई निर्देश दिए.
मोती ने कहा कि इस बार चुनाव विपक्षियों के साथ डट कर लड़ना है. आप सभी कार्यकर्ता अपनी अपनी बुथों तक जाएं, हेमंत सरकार की उपलब्धियों को गिनाये और अधिक से अधिक मतदान करायें. इस बार भी झारखंड में पूर्ण बहुमत की इंडिया गठबंधन की सरकार हेमंत सोरेन की बनने जा रही है.

शहीद के शहादत पर प्रशासन का एक माला भी नसीब नहीं : मंजू सिंह

मेट्रो रेज संवाददाता

साहिबगंज : जम्मू कश्मीर में ऑपरेशन रक्षक के दौरान 2001 में शहीद हुए सिपाही सुबोध सिंह कि शहादत दिवस पर न्यू झारखंड युवा क्लब की ओर से प्रत्येक वर्ष शहीद सुबोध सिंह का शहादत दिवस मनाते है ।वही आज न्यू झारखंड युवा क्लब के तत्वाधान में शहीद सुबोध सिंह का शहादत दिवस मनाया गया ।इस दौरान शहीद सुबोध सिंह की पत्नी मंजू सिंह,क्लब के अध्यक्ष विनोद कुमार यादव,समाजसेवी सिद्धेश्वर मंडल,पूर्व नगर परिषद उपाध्यक्ष अनवर अली,बसंत श्रीवास्तव सहित अन्य लोगों ने शहीद सुबोध सिंह के प्रतिमा पर माल्यार्पण कर उन्हें याद किया। अध्यक्ष विनोद कुमार यादव ने उनकी पत्नी को शॉल ओढ़ा कर सम्मानित किया ।इस कार्यक्रम के दौरान शहीद कि पत्नी मंजू सिंह का दर्द छलका कही देश के लिए शहीद होने वाले सैनिक के शहादत दिवस पर प्रशासन को एक फूल माला के लिए समय नहीं मिलता यह इस देश के शहीदों का अपमान हैं ।इस अवसर पर क्लब की ओर से भाषण प्रतियोगिता,पेंटिंग प्रतियोगिता का आयोजन किया गया ।जिसमे विजेता प्रतिभागी को ट्रॉफी देकर सम्मानित किया। मौके पर क्लब के अध्यक्ष विनोद कुमार यादव समाज सेवी सिद्धेश्वर मंडल,पूर्व नगर परिषद अध्यक्ष अनवर अली,बसंत श्रीवास्तव,मुरलीधर तिवारी,ओम शंकर सिंह,संध्या सिंह,पूनम सिंह,गौतम सिंह,ज्योति मिश्रा,संजीव झा,अमन कुमार,गुड़िया कुमारी सहित अन्य लोग मौजूद थे।

गुमला में सीएम सोरेन की जनसभा, केंद्र सरकार पर साधा निशाना

मेट्रो रेज संवाददाता

गुमला : जिला के चैनपुर में मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने रविवार को चुनावी सभा को संबोधित किया. इस दौरान उन्होंने बीजेपी पर जमकर हमला बोला. उन्होंने कहा कि ये लोग घर परिवार को तोड़ने में लगे हैं. ये विषैले जहर उगलते हैं, उनके आगे विषधर भी फेल है. इन लोगों से बच के रहना है. यहां न वउउ लागू होगा न ठफ्ठ होगा. यहां उठळ और रढळ रहेगा. 5 वर्ष के दौरान हम लोगों ने कितनी चुनौतियों का सामना किया, आप सभी ने देखा है.
सीएम हेमंत सोरेन ने गुमला विधानसभा में जेएमएम प्रत्याशी भूषण तिर्की के पक्ष में मतदान करने की अपील करते हुए कहा कि जुमलेबाज भाजपा के लोग यहां आने वाले हैं. ये लोग यहां का बेटा, आदिवासी-मूलवासी को हटाना चाहते हैं. सरकार गठन के बाद जब हम लोग आपके लिए काम करना यहां शुरू किया तो इन लोगों ने झूठे आरोप में मुझे जेल में डाल दिया था. इन्हें यहां के आदिवासी-मूलवासी दलित, पिछड़ों से कोई मतलब नहीं है. उन्हें यहां से मतलब है तो यहां के खनिज संपदा से मतलब है और झारखंड के खनिज संपदा का 1 लाख 36 हजार करोड़ हमारा बकाया है, ये नहीं दे रहे हैं. हेमंत सोरेन ने बताया कि यहां की माताओं और बहनों के सम्मान में हम उन्हें आर्थिक सहयोग कर रहे हैं. आने वाले 5 वर्ष में हर घर में एक लाख रुपए तक पहुंचाने का काम करेंगे. हम लोगों ने कानून बना दिया है कि जिनके खाते में 1000 रुपए जा रहे हैं, वह 2500 रुपए हो जाएंगे. इन्हें अगर मौका लग गया तो यह आपके शरीर से कतरा कतरा खून निकाल लेंगे. 5 वर्ष से ये सत्ता से बेदखल हैं. आज भारतीय जनता पार्टी का पेड़ सूखते जा रहा हैं. आने वाले समय में फिर 5 साल तक इन्हें बाहर करेंगे और इन्हें जड़ से उखाड़ देंगे.
हेमंत सोरेन ने कहा ये लोग कहते हैं कि जेपीएससी और सीजेएल परीक्षा के जरिए हुई नियुक्ति का सीबीआई से जांच कराएंगे. हमने सीजीएल परीक्षा की पूरी जांच कर ली है. लोग चिन्हित हो चुके हैं, जिन्होंने गड़बड़ी करने की कोशिश की, गड़बड़ी तो कर नहीं पाए, पकड़े गए. चुनाव समाप्त होते ही वे सभी जेल जाएंगे. सीएम सोरेन ने कहा कि इन लोगों ने हमारे कार्यकाल को पूरा नहीं होने दिया है. एक माह हमारा कार्यकाल बचा हुआ था. इन्होंने एक महीने पहले चुनाव करा दिया है. इन्हें पता था कि अगर एक माह मैं और यहां के लोगों का काम कर दिया तो इनकी पूरी तरह से भद पिट जाएगी.
इस दौरान मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह को भी आड़े हाथ लेते हुए कहा कि गृहमंत्री ने कहा कि नक्सलवाद को खत्म कर देंगे. हम पूछना चाहते हैं, अगर नक्सलवाद खत्म नहीं हुआ तो पांच चरण में होने वाले चुनाव को दो चरण में कैसे करा रहें हैं. इससे साफ संकेत है कि इस राज्य में नक्सलवाद पूरी तरह से खत्म हो चुका है. आने वाला समय बताएगा झूठ क्या है और सच क्या. हेमंत सोरेन ने कहा कि ये लोग बांग्लादेशी घुसपैठ की बात करते हैं. मैं पूछना चाहता हूं कि देश के प्रधानमंत्री जब वे शपथ ग्रहण कर रहे थे तो संविधान की किताब पर अपना माथा ठोक रहे थे. आप बोल रहे थे कि देश संविधान से चलेगा, कायदे कानून से चलेगा, हर वर्ग, हर समाज को हक अधिकार मिलेगा. मैं यह जानना चाहता हूं कि बांग्लादेश के साथ अंदर ही अंदर कोई समझौता है क्या. आज बांग्लादेश के पूर्व प्रधानमंत्री का अपने यहां प्लेन क्यों उतारने दिया! उन्हें किस आधार पर शरण दे रखे हैं, यह बताइए. झारखंड में बिजली उत्पादन होता है और बांग्लादेश में सप्लाई करते हैं और बांग्लादेशी घुसपैठ की बात करते हैं. बांग्लादेश से जुड़े भारत की सीमा की सुरक्षा किसके जिम्मे है. भारत सरकार के जिम्मे में है. इसमें राज्य सरकार का कोई रोल नहीं है. बांग्लादेश से घुसपैठ करने वाले आपके शासित राज्यों से घुसकर आता है. वहां क्यों नहीं घुसपैठ रोकते हैं.
हेमंत सोरेन ने कहा कि मंईयां सम्मान योजना क्या मुसलमान के लिए है, हिंदुओं के लिए है, सिखों के लिए, ईसाइयों के लिए है! नहीं, यह योजना सभी के लिए है. ये लोग कहते हैं कि झारखंड सरकार पेंशन नहीं दे रही है. जबकि केंद्र सरकार से मिलने वाला पैसा आप लोगों (केंद्र सरकार) ने रोक रखा है. वहीं इसके बाद सीएम सोरेन घाघरा प्रखंड स्थित बद्री में आयोजित मेला में चुनावी जनसभा में भी पहुंचे जहां पुलिस बाल की काफी मात्रा में तैनाती रही है.

धमकियों के बीच शूटिंग के लिए हैदराबाद पहुंचे सलमान

बॉलीवुड के भाईजान इस वक्त अपने काम के साथ-साथ पर्सनल लाइफ को लेकर भी सुर्खियों में हैं। सलमान खान को लगातार जान से मारने की धमकियां मिल रही हैं। हालांकि वे अपने काम को लेकर व्यस्त हैं। 'बिग बॉस-18' की शूटिंग के बाद उन्होंने 'सिकंदर' की शूटिंग भी शुरू कर दी है। सलमान खान हाल ही में 'सिकंदर' की शूटिंग के लिए हैदराबाद पहुंचे हैं। ईद 2025 पर रिलीज होने वाली फिल्म 'सिकंदर' की शूटिंग हैदराबाद के ताज फलकनुमा पैलेस में की जा रही है। फिल्म 'सिकंदर' की शूटिंग से एक दिन पहले सलमान खान हैदराबाद पहुंच गए हैं। ताज फलकनुमा पैलेस एक ऐतिहासिक स्थान है। ये ऐतिहासिक जगह सलमान के लिए बेहद खास है क्योंकि उनकी बहन अर्पिता की शादी आयुष शर्मा के साथ यहीं ताज फलकनुमा पैलेस में हुई थी।

सलमान खान फिल्म 'सिकंदर' की शूटिंग के लिए तैनात सुरक्षा गार्डों के साथ एयरपोर्ट पहुंचे। पिछले महीने सलमान के करीबी नेता बाबा सिद्दीकी की हत्या कर दी गई थी। उनकी हत्या के छह दिन बाद सलमान को जान से मारने की धमकी मिली। इसके बाद से सलमान के साथ निजी सुरक्षा के साथ-साथ वाई प्लस सुरक्षा भी मुहैया कराई गई है। कुछ दिन पहले सलमान खान को और भी जान से मारने की धमकियां मिली थीं। पुलिस ने इस मामले में नोएडा से एक युवक को गिरफ्तार किया है। दूसरे को मुंबई के बांद्रा से हिरासत में लिया गया है।

फिल्म 'सिकंदर' का निर्देशन एआर मुरुगादॉस कर रहे हैं। इस फिल्म में सलमान खान के साथ रश्मिका मंदाना, सुनील शेट्टी और काजल अग्रवाल मुख्य भूमिका में नजर आएंगे।

एनटीपीसी लारा में आयोजित पब्लिक स्पीकिंग और थिएटर कार्यशाला का समापन

एजेंसी

रायगढ़ : एनटीपीसी लारा में आयोजित पब्लिक स्पीकिंग और थिएटर कार्यशाला का समापन 3 नवंबर रविवार को केलो भवन, एनटीपीसी लारा में छात्रों के शानदार प्रदर्शन के साथ हुआ। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि एनटीपीसी लारा के कार्यकारी निदेशक अनिल कुमार और प्रेरित महिला समिति की अध्यक्षा, अनुराधा शर्मा की गरिमामय उपास्थिती के साथ हुआ। एनटीपीसी लारा के सहयोगी गांवों की बेहतरी के लिए कॉर्पोरेट सामाजिक उत्तरदायित्व के तहत एनटीपीसी लारा द्वारा 29 अक्टूबर से 3 नवंबर 2024 तक पब्लिक स्पीकिंग और थिएटर पर कार्यशाला का आयोजन किया गया था।

पब्लिक स्पीकिंग और संचार पर कौशल विकसित करने, आत्मविश्वास, रचनात्मकता को बढ़ावा देने और रंगमंच और प्रदर्शन के संपर्क को बढ़ाने के उद्देश्य से इस छह दिवसीय कार्यक्रम का आयोजन किया गया था। इसमें सहयोगी गांवों के कुल पचास छात्रों ने भाग लिया और बेहतर संचार, नृत्य और नाटक पर कौशल सीखे। इस अवसर पर बोलते हुए अनिल कुमार, कार्यकारी निदेशक (एनटीपीसी लारा) ने बच्चों के प्रदर्शन की सराहना की बच्चों को प्रेरित करते हुए अनुराधा शर्मा, अध्यक्ष (प्रेरिता महिला समिति) ने बच्चों को बड़े सपने देखने और उन्हें हासिल करने का प्रयास करने

की सलाह दी। एनटीपीसी लारा एक जिम्मेदार कॉर्पोरेट के रूप में हमेशा उनके समर्थन में है। कार्यक्रम के अंत में बच्चों ने नृत्य और नाटक पर शानदार प्रदर्शन करके इस कार्यशाला में सिखाए गए कौशल को प्रदर्शित किया। समापन समारोह में सभी बच्चों को गणमान्य व्यक्तियों द्वारा प्रमाण पत्र और स्मृति चिन्ह प्रदान किए गए। अन्य गणमान्य व्यक्तियों में आशुतोष सत्पथी, महाप्रबंधक (प्रचालन एवं अनुरक्षण), रविशंकर, महाप्रबंधक (परियोजना), जाकिर खान, अपर महाप्रबन्धक (मानव संसाधन), नैगम सामाजिक दायित्व झसामुदायिक विकास विभाग के कर्मचारी, प्रेरिता महिला समिति के पदाधिकारी और बच्चों के अभिभावक उपस्थित थे

दर्शकों को पसंद आई ' भूल भुलैया 3', सिद्धिविनायक मंदिर में आशीर्वाद लेने पहुंचे कार्तिक आर्यन

अभिनेता कार्तिक आर्यन की फिल्म ' भूल भुलैया 3' की रिलीज शानदार रही। रिपोर्ट्स के मुताबिक, रिलीज वाले दिन के सुबह के शो में कार्तिक की फिल्म के अजय देवगन की सिंघम अगेन से ज्यादा दर्शक थे। इसके अलावा 'भूल भुलैया 3' के दोपहर के शो में 80% से ज्यादा ऑक्यूपेंसी दर्ज की गई। कई जगहों पर 'भूल भुलैया 3' के सभी शो हाउसफुल चल रहे हैं। फिल्म की समीक्षाओं की बात करें तो वो मिली-जुली हैं, लेकिन दर्शकों को 'भूल भुलैया 3' पसंद आ रही है। फिल्म की शानदार रिलीज के बाद अभिनेता कार्तिक आर्यन शुक्रवार दोपहर को मुंबई के सिद्धिविनायक मंदिर गए, जहां उन्होंने गणपति बप्पा का आशीर्वाद लिया। इस दौरान की एक तस्वीर अभिनेता ने अपने सोशल मीडिया पर साझा की। इस तस्वीर में, कार्तिक सफेद रंग की शर्ट पहकर भगवान गणेश की मूर्ति के सामने हाथ जोड़े खड़े हैं। कार्तिक ने पोस्ट के साथ कैप्शन में लिखा, 'मेरे सबसे बड़े शुक्रवार के लिए बप्पा का शुक्रिया, #आभार।' प्रशंसकों ने कार्तिक की प्रशंसा की और उन्हें भूल भुलैया 3 की सफलता के लिए बधाई दी। एक प्रशंसक ने टिप्पणी की, 'भूल भुलैया 3 सभी रिकॉर्ड तोड़ देगी और इतिहास रच देगी।' दूसरे ने लिखा, 'आपने हॉरर-कॉमेडी का स्तर बढ़ा दिया है, क्या शानदार प्रदर्शन है।'

ला लीगा : बार्सिलोना ने एस्पेनयोल को 3-1 से हराया

एजेंसी

मैड्रिड : एफसी बार्सिलोना ने रविवार को घरेलू मैदान पर एस्पेनयोल को 3-1 से हराकर ला लीगा तालिका में शीर्ष पर नौ अंक की बढ़त बना ली है। बार्सिलोना के लिए डेनी ओल्मो ने दो गोल और राफिन्हा ने 1 गोल किया और सिर्फ आधे घंटे के बाद ही मैच पर पकड़ बना ली। ओल्मो ने मैच के 12वें मिनट में ही गोल कर बार्का को आगे कर दिया। राफिन्हा ने 10 मिनट बाद ही गोल कर बार्का की बढ़त को दोगुना कर दिया। ओल्मो ने इसके बाद आधे घंटे बाद तीसरा गोल किया और बार्सिलोना की बढ़त 3-0 कर दी। जावी पुआडो ने 63वें मिनट में एस्पेनयोल के लिए सांत्वना गोल किया। अन्य मैचों में

एटलेटिको मैड्रिड ने लास पालमास को घरेलू मैदान पर 2-0 से हराया, एथलेटिक क्लब और बेटिस के बीच मैच 1-1 से ड्रॉ हुआ और रियल सोसिएदाद ने सेविला को 2-0 से हराया।

रूस की श्नाइडर ने जीता डब्ल्यूटीए हांगकांग ओपन का खिताब

एजेंसी

हांगकांग : डायना श्नाइडर ने रविवार को ब्रिटिश खिलाड़ी केटी बौल्टर को 6-1, 6-2 से हराकर डब्ल्यूटीए हांगकांग ओपन का खिताब जीत लिया। विश्व में 14वें स्थान पर काबिज शीर्ष वरीयता प्राप्त श्नाइडर ने जर्मनी में बैड होम्बर्ग ओपन, थाईलैंड में हुआ हिन चैंपियनशिप और हंगरी में बुडापेस्ट ग्रैंड प्रिक्स में खिताबी जीत के साथ इस सत्र का अपना चौथा खिताब जीता। खिताबी जीत के बाद 20 वर्षीय रूसी खिलाड़ी ने कहा, ₹मुझे ऐसा लग रहा है कि मैं उच्च स्तर पर थी। निश्चित रूप से,मैं जिस तरह से प्रतिस्पर्धा कर रही हूं, उससे खुश और गौरवान्वित हूं। दूसरी वरीयता प्राप्त और सत्र का अपना तीसरा खिताब जीतने की

कोशिश में जुटी बौल्टर ने इस कठिन मैच के बारे में कहा, ₹मैं अपना सर्वश्रेष्ठ देना चाहती थी। लेकिन यह पर्याप्त नहीं था।

जापान ने जीता आईआईएचएफ आइस हॉकी महिला एशिया चैम्पियनशिप का खिताब

एजेंसी

बीजिंग : जापान ने रविवार को बीजिंग के शौगांग आइस हॉकी एरेना में चीन को 5-0 से हराकर आईआईएचएफ आइस हॉकी महिला एशिया चैम्पियनशिप का खिताब अपने नाम कर लिया।

जापान ने शुरू से ही नियंत्रण बनाए रखा, पहले दौर में 23 शॉट लगाए और एक गोल के साथ शुरूआती बढ़त हासिल की। ??चीन ने दूसरे दौर में अपना बचाव कड़ा किया, जिससे जापान के स्कोरिंग के मौके सीमित हो गए, लेकिन अंतर को पाटने में असफल रहा। अंतिम दौर में, जब चीन ने बराबरी करने के लिए कड़ी मेहनत की, तो घरेलू टीम की गलतियाँ बढ़ने लगीं, जिससे जापान को चार और गोल करने और 5-0 की जीत के साथ चैंपियनशिप पर कब्जा करने का मौका मिला। इससे पहले रविवार को कजाकिस्तान ने पेनल्टी शूटआउट में दक्षिण कोरिया को 5-4 से हराकर तीसरा स्थान हासिल किया। टूर्नामेंट में चीन, जापान, दक्षिण कोरिया और कजाकिस्तान की टीमें शामिल थीं। यह टूर्नामेंट तीन दिनों तक राउंड-रॉबिन प्रारूप में खेला गया। अगला संस्करण 2025 में कजाकिस्तान की मेजबानी में आयोजित किया जाएगा।

मौजूदा रणजी ट्रॉफी सत्र के बाद क्रिकेट के सभी प्रारूपों से संन्यास लेंगे रिद्धिमान साहा

एजेंसी

नई दिल्ली : रिद्धिमान साहा रणजी ट्रॉफी के मौजूदा संस्करण के बाद खेल के सभी प्रारूपों से संन्यास ले लेंगे। विकेटकीपर-बल्लेबाज साहा ने 2010 और 2021 के बीच 40 टेस्ट में भारत का प्रतिनिधित्व किया और नौ टी20आई में भी हिस्सा लिया। इसके अलावा उन्होंने कोलकाता नाइट राइडर्स, पंजाब किंग्स, सनराइजर्स हैदराबाद और गुजरात टाइटन्स सहित विभिन्न पक्षों के लिए 170 इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) मैचों में भी हिस्सा लिया। साहा ने रविवार रात एक्स पर पोस्ट किया, ₹क्रिकेट में एक यादगार सफर के बाद, यह सीजन मेरा आखिरी सीजन होगा। रिटायर होने से पहले मैं बंगाल का प्रतिनिधित्व करने के लिए एक आखिरी बार सम्मानित महसूस कर रहा हूं, मैं सिर्फ रणजी ट्रॉफी में खेलूंगा। इस अविश्वसनीय सफर का हिस्सा बनने वाले सभी लोगों का शुक्रिया, आपका समर्थन दुनिया के लिए मायने रखता है। आइए इस सीजन को

यादगार बनाएं 2007 में प्रथम श्रेणी में पदार्पण करने वाले साहा ने बंगाल के लिए 15 साल तक खेला, उसके बाद बंगाल क्रिकेट संघ (सीएबी) के कुछ अधिकारियों के साथ मतभेद के बाद त्रिपुरा चले गए। तत्कालीन सीएबी प्रमुख अविषेक डालमिया ने साहा को मनाने की कोशिश की, लेकिन उन्होंने संकेत दिया कि वह अब बंगाल के लिए नहीं खेल सकते हैं। वह सीएबी के एक वरिष्ठ अधिकारी की टिप्पणियों से नाराज थे, जिन्होंने व्यक्तिगत कारणों से रणजी ट्रॉफी के ग्रुप चरण को छोड़ने का फैसला करने के बाद साहा की प्रतिबद्धता पर सवाल उठाए थे। यहां तक ??कि उन्होंने बंगाल टीम के व्हाट्सएप ग्रुप को भी छोड़ दिया, जबकि कोच अरुण लाल ने भारत के अंतरराष्ट्रीय खिलाड़ी से बात की थी। खिलाड़ी-संरक्षक की भूमिका निभाने वाले साहा के नेतृत्व में त्रिपुरा ने पिछले सीजन में घरेलू टूर्नामेंटों में अच्छा प्रदर्शन किया था। हालांकि, भारत के पूर्व कप्तान और तत्कालीन बीसीसीआई प्रमुख सौरव गांगुली के साथ बैठक के बाद, साहा इस सीजन में बंगाल लौट आए - यह स्पष्ट संकेत है कि यह उनका आखिरी सीजन हो सकता है। साहा ने पहले यह स्पष्ट कर दिया था कि वह बंगाल के लिए केवल लाल गेंद वाले क्रिकेट पर ध्यान केंद्रित करेंगे और सफेद गेंद वाले टूर्नामेंट में नहीं खेलेंगे। उनके लिए अब तक, यह घरेलू वापसी यादगार नहीं रही है, वे दो मैचों में शून्य पर आउट हुए हैं और विकेट के पीछे तीन कैच लिये हैं। साहा दिसंबर 2021 से राष्ट्रीय टीम से बाहर हैं और 2022 में दक्षिण अफ्रीका दौरे के दौरान उन्हें तत्कालीन भारतीय मुख्य कोच राहुल द्रविड़ ने बताया था कि चयनकर्ता और टीम प्रबंधन उनसे आगे की सोच रहे हैं। हालांकि, उन्होंने आईपीएल में खेलना जारी रखा और 2022 में गुजरात टाइटन्स का हिस्सा थे जब उसने अपना पहला खिताब जीता था।

आईएसएल: अपनी पिछली हार से उबरने के लिए भिड़ेंगे जमशेदपुर और चेन्नइयन

एजेंसी

जमशेदपुर : चेन्नइयन एफसी और जमशेदपुर एफसी अपनी पिछली हार से उबरने के लिए आज शाम जेआरडी टाटा स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स में खेले जाने वाले इंडियन सुपर लीग (आईएसएल) 2024-25 मुकाबले में भिड़ेंगी। जमशेदपुर को अपने पिछले मैच में नॉर्थईस्ट यूनाइटेड एफसी से 5-0 की करारी हार मिली जबकि चेन्नइयन एफसी को नई दिल्ली में पंजाब एफसी ने 3-2 से हराया। आगामी मैच में, स्कॉटिश हेड कोच ओवेन कॉयल और फारुख चौधरी व डेनियल चीमा चुक्वू पूर्व टीम के खिलाफ अपने पुराने मैदान पर उतरेंगे। कॉयल ने 2021-22 में जमशेदपुर को चैंपियनशिप की सफलता दिलाई थी। जमशेदपुर जेआरडी टाटा स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स में चेन्नइयन के खिलाफ पिछले चार मैचों में अपराजित रहे हैं। इस दौरान उन्होंने एक मैच जीता है और तीन ड्रा खेले हैं। इस मैदान में चेन्नइयन एफसी (1-0) को एकमात्र जीत लगभग सात साल पहले 28 दिसंबर, 2017 को मिली थी। लगातार तीन घरेलू जीत के साथ जमशेदपुर एफसी इस सीजन में अपने घर में निरंतर अच्छा प्रदर्शन कर रही है। उसने प्रत्येक मैच में कम से कम दो गोल किए हैं। कॉयल ने आईएसएल में अपने पूर्व क्लब जमशेदपुर एफसी का चार बार सामना किया है जिनमें दो जीत और दो ड्रा हैं। कॉयल की टीमों ने जमशेदपुर के खिलाफ 11 गोल किए हैं। चेन्नइयन ने प्रति मैच 26.5 क्रॉस डाले हैं - जो लीग में सबसे ज्यादा है। जमशेदपुर एफसी के हेड कोच खालिद जमील को लगता है कि उनकी टीम हाईलैंडर्स के हाथों करारी हार को पीछे छोड़कर बेहतर प्रदर्शन करेगी।

जमील ने कहा, हमें करारी हार मिली है, इसलिए अब प्रयास करके सुधार करने और बेहतर करने का समय है। हमें अपनी गलतियों पर सोचने और सुधारने के लिए पर्याप्त समय मिला और हम बेहतर करने की कोशिश करेंगे।

कॉयल ने मैच से पहले अपने समकक्ष जमील की प्रशंसा की। उन्होंने जोर दिया कि विरोधियों की प्रशंसा का मतलब यह नहीं है वह तीन अंक जीतने के लिए हर संभव प्रयास नहीं करेंगे।

उन्होंने कहा, खालिद एक बेहतरीन कोच हैं। जमशेदपुर एफसी ने उन्हें अवसर दिया है जिसे उन्होंने भुनाया है। लेकिन मैच में हम जीत का हर संभव प्रयास करेंगे।ह्व

दोनों टीमों ने आईएसएल में 14 मैच खेले हैं। चेन्नइयन एफसी छह बार जीती है, जबकि जमशेदपुर एफसी ने तीन मैच जीते है। पांच मुकाबले ड्रा रहे हैं।

तृतीय केदार तुंगनाथ के कपाट शीतकाल के लिए बंद

एजेंसी

रुद्रप्रयाग/ऊखीमठ/तुंगनाथ : पंचकेदारों में प्रतिष्ठित तृतीय केदार तुंगनाथ मंदिर के कपाट आज पूर्वाह्न 11 बजे शुभ मुहूर्त पर विधि-विधान से शीतकाल के लिए बंद हो गए। पांच सौ से अधिक श्रद्धालु कपाट बंद होने के साक्षी बने। इस यात्रा वर्ष में पौने दो लाख श्रद्धालु तुंगनाथ पहुंचे।

कपाट बंद होने के बाद भगवान तुंगनाथ की उत्सव डोली ने स्थानीय वाद्य यंत्रों ढोल- दमाऊं सहित बाबा तुंगनाथ के जय उद्घोष के साथ प्रथम पड़ाव चोपता को प्रस्थान किया। बदरीनाथ-केदारनाथ मंदिर समिति (बीकेटीसी) अध्यक्ष अजेंद्र अजय ने तुंगनाथ मंदिर के कपाट बंद होने के अवसर पर श्रद्धालुओं को शुभकामनाएं दी। उन्होंने बताया कि इस यात्रा वर्ष एक लाख सत्तर हजार से अधिक तीर्थयात्रियों ने भगवान तुंगनाथ के दर्शन किए। बीकेटीसी मुख्य कार्याधिकारी विजय प्रसाद थपलियाल ने भी कपाट बंद होने पर श्रद्धालुओं को शुभकामनाएं दी। कपाट बंद होने के एक दिन पहले श्री तुंगनाथ मंदिर में यज्ञ- हवन किया गया था। आज प्रातः साढ़े चार बजे मंदिर खुला। प्रातःकालीन पूजा के पश्चात श्रद्धालुओं ने भगवान तुंगनाथ जी के दर्शन किए। ठीक दस बजे मंदिर गर्भगृह में कपाट बंद करने की प्रक्रिया शुरू हुई। भगवान तुंगनाथ के स्वयंभू शिवलिंग को शृंगार रूप से समाधि स्वरूप में ले जाया गया। शिवलिंग को स्थानीय पुष्पों, फल पुष्पों , अक्षत से ढक दिया गया। इसके बाद मठापति रामप्रसाद मैठाणी,प्रबंधक बलबीर नेगी डोली प्रभारी प्रकाश पुरोहित,की उपस्थिति में पुजारी अतुल मैठाणी तथा अजय मैठाणी ने तुंगनाथ मंदिर के कपाट बंद किए। कपाट बंद होने के बाद मंदिर समिति कर्मचारियों और श्रद्धालुओं के साथ मंदिर की परिक्रमा पश्चात अखोड़ी और हुडु गांव के हक-हकूकधारी भगवान तुंगनाथ की चल विग्रह डोली के साथ चोपता को प्रस्थान हुए। बीकेटीसी मीडिया प्रभारी डॉ. हरीश गौड़ ने बताया कि आज भगवान तुंगनाथ की चल विग्रह डोली चोपता प्रवास करेगी। पांच नवंबर और 06 नवंबर को चल विग्रह डोली दूसरे पड़ाव भनकुन प्रवास करेगी। सात नवंबर को भगवान तुंगनाथ की चलविग्रह डोली शीतकालीन गद्दीस्थल श्री मकेर्टेश्वर मंदिर मक्कूमठ में विराजमान हो जाएगी। इसी के साथ मकेर्टेश्वर मंदिर मक्कूमठ में भगवान तुंगनाथ की शीतकालीन पूजाएं शुरू हो जाएंगी। आज कपाट बंद होने के अवसर पर मठापति रामप्रसाद मैठाणी, प्रबंधक बलबीर नेगी,डोली प्रभारी प्रकाश पुरोहित सहित पुजारीगण रवीन्द्र मैठाणी, विनोद मैठाणी, चंद्रमोहन बजवाल,दिलवर नेगी, दीपक पंवार,जीतपाल भंडारी, उम्मेद थोर, नरेंद्र भंडारी एवं वन विभाग, पुलिस प्रशासन के प्रतिनिधि, दस्तूरधारी और बड़ी संख्या में श्रद्धालुजन मौजूद रहे।

राजस्थान में उपचुनाव के लिए होम वोटिंग शुरू

एजेंसी

जयपुर : राजस्थान के उपचुनाव वाले सात विधानसभा क्षेत्रों में सोमवार से दिव्यांग और 85 वर्ष से अधिक आयु के बुजुर्ग मतदाताओं के लिए होम वोटिंग शुरू हो गई है, जो 10 नवम्बर तक जारी रहेगी। घर पर मतदान की सुविधा के लिए 3193 मतदाताओं ने आवेदन किया, जबकि इन विधानसभा क्षेत्रों में आम चुनाव-2023 के दौरान कुल 1862 मतदाताओं ने मतदान किया था।प्रदेश के रामगढ़, दौसा, देवली-उनियारा, झुंझुनूं, खींवसर, सलूम्बर और चौरासी विधानसभा क्षेत्रों में 30 अक्टूबर को सैनिकों को मतपत्र

जारी होने के साथ ही मतदान की औपचारिक शुरूआत हो गई थी। ये मतपत्र 23 नवम्बर को मतगणना शुरू होने से पहले तक स्वीकार किए जाएंगे। होम वोटिंग के लिए कुल 87 टीम बनाई गई है। प्रत्येक टीम में पांच सदस्य होंगे और मतदान की वीडियोग्राफी कराई जाएगी। होम वोटिंग मतदान का दूसरा चरण है, जिसमें 2,365 बुजुर्ग और 828 दिव्यांग मतदान करेंगे। होम वोटिंग के समय इन मतदाताओं के घर राजनीतिक दलों व प्रत्याशियों के प्रतिनिधि भी रहेंगे। पहले चरण में मतदान दल इन मतदाताओं के घर चार से आठ नवम्बर के बीच पहुंचेंगे। इस दौरान मतदान नहीं कर पाने वाले होम वोटिंग के पात्र मतदाताओं के घर नौ-दस नवम्बर को मतदान दल फिर पहुंचेंगे। इन क्षेत्रों में 13 नवम्बर को ईवीएम के जरिए मतदान होना है। ऐसे में 13 नवम्बर से पहले ही उन मतदाताओं का भी मतदान कराया जाएगा, जो मतदान के दिन मतदान दल, सुरक्षा या आवश्यक सेवाओं में व्यस्त रहेंगे। इन सभी मतों की गिनती 23 नवम्बर को होगी।

किन्नौर में भूकंप के झटके, नुकसान नहीं

शिमला : हिमाचल प्रदेश में एक बार भूकंप के झटके लगे हैं। जनजातीय जिला किन्नौर में बीती रात 1 बजकर 29 मिनट पर भूकंप के झटके महसूस किए गए। मौसम विज्ञान केंद्र शिमला के मुताबिक भूकंप की तीव्रता रिक्टर स्केल पर 3.1 रही। भूकंप का केंद्र किन्नौर में 31.38 डिग्री उत्तरी अक्षांश और 78.17 डिग्री पूर्वी देशांतर पर रहा और इसकी गहराई जमीन की सतह से 10 किलोमीटर नीचे दर्ज की गई। राज्य आपदा प्रबन्धन प्राधिकरण के एक अधिकारी ने सोमवार को बताया कि भूकंप की तीव्रता हल्की रहने के कारण किन्नौर जिला में जान-माल का कोई नुकसान नहीं हुआ । हिमाचल प्रदेश में भूकंप का लगातार आना लोगों को दहशत में डाल रहा है।

पिछले कई सालों से यहां भूकंप के झटके लग रहे हैं। 15 अक्टूबर को मंडी जिला में रिक्टर स्केल पर 3.3 की तीव्रता का भूकंप आया था। इससे पहले 12 अक्टूबर को शिमला में रिक्टर स्केल पर 3 की तीव्रता के भूकंप के झटके लगे थे। तब भूकंप का केंद्र शिमला जिला के रोहडू उपमण्डल के चिडगांव में दर्ज किया गया था। हालांकि इस दौरान किसी तरह का नुकसान नहीं हुआ था।

आरजी कर अस्पताल कांड में 87 दिन बाद चार्जशीट, शुरू होगी न्यायिक प्रक्रिया

एजेंसी

कोलकाता : आर.जी. कर अस्पताल कांड में महिला डॉक्टर के बलात्कार और हत्या मामले में मुख्य आरोपित सिविक वॉलंटियर के खिलाफ आज सोमवार को सियालदह अदालत में चार्जशीट दाखिल की जाएगी। इससे मामले में न्यायिक प्रक्रिया का प्रारंभ होगा। इस मामले की पहली चार्जशीट पिछले महीने सीबीआई ने दाखिल की थी जिसमें मुख्य आरोपित के रूप में सिविक वॉलंटियर का नाम दर्ज किया गया था। इसके साथ ही, सबूतों से छेड़छाड़ करने के आरोप में आर.जी. कर के पूर्व प्राचार्य संदीप घोष और टाला थाने के तत्कालीन अधिकारी अभिजीत मंडल के नाम भी शामिल किए गए हैं।

इस वर्ष नौ अगस्त को आर.जी. कर अस्पताल के इमरजेंसी विभाग की चौथी मंजिल पर सेमिनार हॉल से महिला डॉक्टर का शव बरामद किया गया था। उसी रात को कोलकाता पुलिस ने आरोपित सिविक वॉलंटियर को गिरफ्तार किया था। इसके बाद मामले की जांच का जिम्मा सीबीआई को सौंपा गया। 58 दिन बाद, सात अक्टूबर को सीबीआई ने चार्जशीट दायर की जिसमें आरोपित को अपराध से जुड़े पुख्ता सबूतों के आधार पर दोषी ठहराया गया है। जांच में आरोपित के खिलाफ कुल 11 सबूत प्राप्त हुए हैं जिनमें गवाहों के बयान, वीडियो फुटेज, फोरेंसिक और वैज्ञानिक रिपोर्ट शामिल हैं।

प्रमुख सबूत और जांच की दिशा

सीबीआई के अनुसार, घटना स्थल की सीसीटीवी फुटेज में आरोपित सिविक वॉलंटियर को टी-शर्ट, जींस, हेलमेट और हेडफोन के साथ अस्पताल के गलियारे में जाते हुए देखा गया था। फुटेज में नौ अगस्त की सुबह 4:03 का समय दर्ज है, जब यह घटना घटी थी। चार्जशीट में यह भी बताया गया है कि उस रात आरोपित का मोबाइल लोकेशन भी अस्पताल के पास ही था। मृतक महिला डॉक्टर के शरीर से आरोपित का डीएनए मिलना, उसके कपड़ों पर खून के धब्बे, घटनास्थल से बरामद बालों का आरोपित के बालों से मेल खाना और ब्लूटूथ ईयरफोन का उससे जुड़ा होना प्रमुख सबूतों में शामिल हैं।सीबीआई ने यह भी कहा कि आरोपित के शरीर पर चोट के निशान हैं जो घटना की रात महिला डॉक्टर के प्रतिरोध के कारण लगे थे। घटना के समय की फोरेंसिक रिपोर्ट से भी पता चला है कि आरोपित के शरीर पर मौजूद चोटें हाल की ही हैं। इसके अतिरिक्त, फॉरेंसिक रिपोर्ट से भी यह स्पष्ट हुआ है कि मृतका के कपड़े जोर-जबरदस्ती से उतारे गए थे, जिससे आरोपित की संलिप्तता और स्पष्ट हो गई।

सीसामऊ उपचुनाव में मायावती और चन्द्रशेखर के वजूद का होगा इम्तिहान

एजेंसी

कानपुर : सीसामऊ विधानसभा सीट का उपचुनाव अब दिलचस्प मोड़ पर पहुंच गया है। एक ओर जहां बसपा का उम्मीदवार चुनाव लड़ रहा है तो वहीं दूसरी तरफ आजाद समाज पार्टी (कांशीराम) के अध्यक्ष और नगीना सांसद चन्द्रशेखर ने सपा उम्मीदवार नसीम सोलंकी को समर्थन कर दिया। ऐसे में अब देखना होगा कि दलित मतदाताओं में किसकी कितनी मजबूत पैठ है और बसपा के वोट बैंक में इजाफा होता है कि नहीं। हालांकि पिछले दो चुनाव से यहां का अधिकांश दलित मतदाता भाजपा के साथ रहा और सपा की भी सेंधमारी रही। वहीं बसपा का ग्राफ पिछले तीन चुनाव से लगातार नीचे गिरता गया और अंतिम बार तो तीन हजार का भी आंकड़ा नहीं छू सकी। सपा विधायक इरफान सोलंकी की सदस्यता जाने से खाली हुई सीसामऊ विधानसभा की सीट पर

हो रहे उपचुनाव में वैसे तो मुख्य मुकाबला भाजपा और सपा के ही बीच है, लेकिन पहली बार बसपा ने अपना उम्मीदवार उतार दिया है, वह भी ब्राह्मण। इस सीट पर पिछले तीन चुनाव से दलित मतदाता निर्णायक साबित होता चला रहा है। यह अलग है पिछले दो चुनाव से भाजपा यहां पर दलित मतदाताओं के बीच पैठ बना रही है और मोदी योगी लहर में पार्टी को काफी हद तक कामयाबी भी मिली, लेकिन जीत नहीं हासिल हो सकी। अबकी बार उपचुनाव में भाजपा जबरदस्त दलितों के बीच पैठ बनाने का प्रयास कर रही है, लेकिन आमतौर पर उपचुनाव न लड़ने वाली बहुजन समाज पार्टी अबकी बार उपचुनाव लड़ रही है। इससे यह कयास लगाया जाने लगा कि जो दलित मतदाता सपा को मतदान नहीं करना चाहता वह भाजपा में आता, जिसमें रुकावट आ गई। इसी बीच रविवार को कानपुर पहुंचकर आजाद समाज पार्टी (कांशीराम) के राष्ट्रीय अध्यक्ष व नगीना सांसद चन्द्रशेखर ने अपना समर्थन सपा उम्मीदवार नसीम सोलंकी को कर दिया। सपा को वैसे भी कांग्रेस का पहले ही समर्थन प्राप्त है। ऐसे में दलित मतदाता किधर अधिक जाएगा और किसको विधानसभा पहुंचाएगा, यह सब अभी गर्त में छिपा है, लेकिन एक बात तय है कि बसपा प्रमुख मायावती और आजाद समाज पार्टी अध्यक्ष चन्द्रशेखर का इम्तिहान जरुर हो जाएगा। राजनीतिक विश्लेषक डॉ. अनूप सिंह ने सोमवार को बताया कि इसमें संशय नहीं है कि सीसामऊ सीट पर भाजपा की पकड़ मजबूत हुई है, लेकिन सपा को भी सहानुभूति मिल रही है।

ग्लोबल मार्केट से पॉजिटिव संकेत, एशियाई बाजारों में आमतौर पर तेजी का रुख

एजेंसी

नई दिल्ली : ग्लोबल मार्केट से आज पॉजिटिव संकेत मिल रहे हैं। अमेरिकी बाजार पिछले सत्र के दौरान मजबूती के साथ बंद हुए थे। हालांकि डाउ जॉन्स फ्यूचर्स आज गिरावट के साथ कारोबार करता नजर आ रहा है। अमेरिकी बाजार की तरह ही यूरोपीय बाजार में भी पिछले सत्र के दौरान खरीदारी होती रही। एशियाई बाजारों में भी आज आमतौर पर तेजी नजर आ रही है। अमेरिका में कल राष्ट्रपति पद के लिए चुनाव होने वाले हैं। इसकी वजह से वॉल स्ट्रीट में काफी संभलकर कारोबार होता रहा। एसएंडपी 500 इंडेक्स 0.41 प्रतिशत की मजबूती के साथ 5,728.80 अंक के स्तर पर बंद हुआ। इसी तरह नैस्डेक ने 144.77 अंक यानी 0.80 प्रतिशत की बढ़त के साथ 18,239.92 अंक के स्तर पर पिछले सत्र के कारोबार का अंत किया।

वहीं डाउ जॉन्स फ्यूचर्स आज फिलहाल 0.17 प्रतिशत की कमजोरी के साथ 41,980.16 अंक के स्तर पर कारोबार करता नजर आ रहा है। अमेरिकी बाजार की तरह ही यूरोपीय बाजार में भी पिछले सत्र के दौरान लगातार तेजी का माहौल बना रहा। एफटीएसई इंडेक्स 0.82 प्रतिशत की मजबूती के साथ 8,177.15 अंक के स्तर पर बंद हुआ। इसी तरह सीएसी इंडेक्स ने 0.79 प्रतिशत की बढ़त के साथ 7,409.11 अंक के स्तर पर पिछले सत्र के कारोबार का अंत किया। इसके अलावा डीएएक्स इंडेक्स 177.43 अंक यानी 0.92 प्रतिशत उछल कर 19,254.97 अंक के स्तर पर बंद हुआ। एशियाई बाजारों में आज आमतौर पर खरीदारी होती नजर आ रही है। एशिया के 9 बाजारों में से 6 के सूचकांक बढ़त के साथ हरे निशान में कारोबार कर रहे हैं, जबकि 2 सूचकांक गिरावट के साथ लाल निशान में बने हुए हैं। वहीं टोक्यो स्टॉक एक्सचेंज में छुट्टी होने की वजह से निक्केई इंडेक्स में कोई बदलाव नहीं हुआ है। गिफ्ट निफ्टी 150.50 अंक यानी 0.62 प्रतिशत की कमजोरी के साथ 24,166.50 अंक के स्तर पर कारोबार कर रहा है। इसी तरह जकार्ता कंपोजिट इंडेक्स 0.69 प्रतिशत टूट कर 7,453.15 अंक के स्तर तक लुढ़क गया है।

दूसरी ओर, स्ट्रेट्स टाइम्स इंडेक्स 0.54 प्रतिशत की मजबूती के साथ 3,574.51 अंक के स्तर पर कारोबार कर रहा है। इसी तरह हैंग सेंग इंडेक्स 0.13 प्रतिशत की बढ़त के साथ 20,532.20 अंक के स्तर पर पहुंचा हुआ है। कोस्पी इंडेक्स ने आज बड़ी छलांग लगाई है। फिलहाल ये सूचकांक 1.64 प्रतिशत की तेजी के साथ 2,584.18 अंक के स्तर पर कारोबार कर रहा है। इसी तरह ताइवान वेटेड इंडेक्स 119.17 अंक यानी 0.52 प्रतिशत की मजबूती के साथ 22,899.25 अंक के स्तर पर पहुंच गया है। इसके अलावा सेट कंपोजिट इंडेक्स 0.11 प्रतिशत की बढ़त के साथ 1,465.75 अंक के स्तर पर और शंघाई कंपोजिट इंडेक्स 0.53 प्रतिशत उछल कर 3,289.51 अंक के स्तर पर कारोबार कर रहे हैं।

न्यूज IN ब्रीफ

गाजियाबाद में अधिवक्ताओं पर लाठीचार्ज का अवध बार ने किया पुरजोर विरोध

लखनऊ : गाजियाबाद में अधिवक्ताओं पर लाठीचार्ज और मुकदमा लिखे जाने से नाराज अवध बार एसोसिएशन ने सोमवार को न्यायिक कार्य बंद कराया। बार के अध्यक्ष आरडी शाही और महामंत्री मनोज कुमार द्विवेदी ने हड़ताल करते हुए गाजियाबाद में अधिवक्ताओं पर हुए अत्याचार के विरुद्ध आरोपित जज एवं पुलिसकर्मियों पर कार्रवाई की मांग की। अवध बार एसोसिएशन के सदस्य देवी प्रसाद सिंह ने कहा कि अधिवक्ताओं ने सदैव न्याय की लड़ाई लड़ी है। ऐसे में गाजियाबाद की घटना को बार के वरिष्ठ पदाधिकारियों सहित समस्त सदस्यों ने गलत ठहराया है। हाईकोर्ट लखनऊ बेंच में अवध बार एसोसिएशन के आह्वान पर पूरी तरह से न्यायिक कार्य बंद है। अधिवक्ताओं को न्याय दिलाने के लिए बार के सदस्य पूर्णरुप से सजग है।

इलाहाबाद हाईकोर्ट में भी न्यायिक कार्य ठप्प

गाजियाबाद की घटना से क्षुब्ध हुए इलाहाबाद हाईकोर्ट के अधिवक्ताओं ने भी सोमवार को सुबह से ही न्यायिक कार्य को पूरी तरह से ठप्प कर दिया। अधिवक्ताओं ने अपने चैम्बरों से बाहर निकल कर नारेबाजी की। हाईकोर्ट के बाहर पार्किंग स्टैण्ड से मुख्य गेट तक अधिवक्ताओं ने विरोध प्रदर्शन किया।

जिलों में भी दिखायी दिया हड़ताल का असर

उत्तर प्रदेश के गाजियाबाद के अलावा कानपुर, लखनऊ, वाराणसी, गोरखपुर, मेरठ सहित तमाम जिलों में न्यायालय से जुड़े कार्यो को अधिवक्ताओं ने रोकते हुए विरोध दर्ज कराया। न्यायिक कार्य को रोकने से मुकदमों की पैरवी के लिए आये लोगों को खासा दिक्कतों का सामना करना पड़ा। कुछ स्थानों पर अधिवक्ताओं ने गाजियाबाद पुलिस के विरोध में नारे भी लगाये।

मुख्यमंत्री ने अल्मोड़ा बस हादसे पर जताया दुख, एआरटीओ को निलंबित करने का आदेश

देहरादून : उत्तराखंड के अल्मोड़ा जनपद के सल्ट तहसील क्षेत्रांतर्गत कुपि मोटर मार्ग पर हुए बस हादसे पर मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने दुख जताया है। मुख्यमंत्री धामी ने तत्काल कार्रवाई करते हुए पौड़ी और अल्मोड़ा के संबंधित क्षेत्र के एआरटीओ प्रवर्तन को निलंबित करने के निर्देश दिए हैं। साथ ही घटना की मजिस्ट्रेट जांच बैठाई है। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी पूरे घटनाक्रम पर खुद नजर बनाए रखे हैं और अधिकारियों से जानकारी लेने के साथ आवश्यक कार्रवाई के लिए लगातार निर्देश दे रहे हैं। हादसे में अब तक 20 लोगों की मौत हो चुकी है। मुख्यमंत्री ने मृतकों के परिजनों को चार-चार लाख और घायलों को एक-एक लाख रुपये की सहायता राशि प्रदान करने के निर्देश दिए हैं। साथ ही आयुक्त कुमाऊं मंडल को घटना की मजिस्ट्रेट जांच के निर्देश दिए हैं। मुख्यमंत्री ने खाई में गिरी बस में सवार सभी यात्रियों को निकालने के लिए तेजी से अभियान चलाने के निर्देश दिए हैं। जरूरत पड़ने पर एयरलिफ्ट करने के निर्देश भी दिए हैं।

भारतीय संस्कृति का संरक्षक बना 100 वर्षों के परंपरागत भक्ति जागरण कार्यक्रम

नवादा : नवादा प्रखंड के ओरैना ग्राम में 100 वर्षों से भी अधिक समय से लगातार चलते आ रहे भक्ति जागरण कार्यक्रम में सोमवार को श्रद्धालु झूमते रहे। चार दिवसीय भक्ति संगीत एवं जागरण कार्यक्रम के साथ-साथ हजारों दिए एक साथ जलाने के कार्यक्रम का उद्घाटन शिक्षाविद एवं समाजसेवी और मॉडर्न शैक्षणिक समूह नवादा के निदेशक डॉ अनुज सिंह के द्वारा किया गया। समिति के सुमन राय, दीपक कुमार, धीरज कुमार सहित सभी ग्रामीण जन के आमंत्रण पर समारोह में पहुंचे डॉ अनुज सिंह ने कहा कि यहां पिछले 100 से वर्षों से लक्ष्मी पूजा होते आ रही है ,जो भारतीय संस्कृति की रक्षा का संवाहक बनी है।यह अपने आप में बहुत बड़ी बात है। सैकड़ो वर्षों से अनवरत पूजा होते रहना एक बड़ी बात है और इसके लिए सभी ग्रामवासी बधाई के पात्र हैं। दीपावली ,लक्ष्मी पूजा, छठ पूजा आदि की शुभकामनाएं देते हुए उन्होंने कहा कि यह गांव के लोगों का दृढ़ संकल्प का प्रतीक है। उन्होंने कहा कि पूजा पाठ के आयोजन से आज की हमारी जो पीढ़ियां है और हमारे बच्चे हैं उनके ऊपर इसका बहुत अच्छा असर होता है। हम सभी को अपने बच्चों को धार्मिक अनुष्ठान से जोड़ना चाहिए और यथासंभव प्रत्येक बच्चा को बढ़िया शिक्षा दीक्षा का प्रबंध करना चाहिए। उन्होंने ग्राम वासियों से अपील किया इस तरह का आयोजन करते रहें । अपने बच्चों को धर्म और शिक्षा से जोड़कर रखें। साथ ही प्रत्येक घर के बड़े बुजुर्ग अपने बच्चों को अच्छी तरह शिक्षा दीक्षा देने में कोई कसर न छोड़। पचाढा पंचायत के पूर्व मुखिया महेश कुमार , समाजसेवी संजय कुमार ,दिलीप कुमार, विपिन कुमार आदि सामाजिक कार्यकर्ता डॉ अनुज सिंह के साथ थे। इस अवसर पर औरैना ग्राम के पैक्स अध्यक्ष मनोज कुमार सिंह सहित हजारों ग्रामीण महिला पुरुष भक्ति संगीत का आनंद लेने के लिए वहां मौजूद थे।

कार की फटी सीएनजी किट चार लोग झूलसे, अस्पताल में भर्ती

बागपत : बागपत जिले में कार और ट्रक की भीड़ंत हो गयी। कार की सीएनजी किट फटने से दोनो वाहनों में आग लग गयी जिसमें चार लोग झुलस गये हैं। सभी घायलों को अस्पताल में भर्ती कराया गया है। तीन लोगों को रेफर किया गया है। हादसा सोमवार की सुबह करीब पांच बजे हुआ। दिल्ली सहारनपुर नेशनल हाईवे पर लधवाड़ी मोड़ के समीप कार और ईंट ढोने वाले ट्रक की आपस मे भिड़ंत हो गई। टक्कर लगते ही कार की सीएनजी किट फट गयी। इससे दोनों वाहनों में आग लग गयी। ट्रक में सवार सतबीर उर्फ कल्लू, रोहित, टिंकू, सोनू और बादल का जिला अस्पताल में उपचार कराया गया। जहां से बादल, सोनू और रोहित को हायर सेंटर रेफर कर दिया, जबकि सतबीर उर्फ कल्लू को परिजन बड़ौत के निजी अस्पताल लेकर चले गए। सूचना पर मौके पर पहुंचे फायर कर्मियों ने आग को बुझा दिया है। बड़ौत पुलिस घटना की जानकारी करने में जुटी है।

हाई स्टैण्डर्ड टूल मशीन ने पकड़ी लाखों की नकली सिगरेट

लखनऊ : लखनऊ में हवाई अड्डे पर बैंकाक से आयी फ्लाइट से उतरे तीन लोगों के बैग हाई स्टैण्डर्ड टूल मशीन में डाला गया तो वहां बीप की आवाज हुई। मौके पर मौजूद कस्टम के अधिकारियों ने उनके बैग अपने कब्जे में लेकर तलाशी की। तलाशी में बैग के भीतर से नकली सिगरेट बरामद हुई। कस्टम विभाग से जुड़े संजय ने बताया कि नकली सिगरेट के डिब्बों के साथ तीन लोगों को पकड़ा गया है। सोमवार की सुबह बैंकाक से आयी फ्लाइट से ये तीनों लखनऊ आये थे। तीनों के पास से 97 हजार ?सिगरेट के डिब्बे बरामद हुए हैं। सारी सिगरेट नकली है और इस पर एक बड़ी कम्पनी का रैपर लगा हुआ है।

स्मगलिंग का केन्द्र बन चुका लखनऊ का हवाई अड्डा

कस्टम विभाग की मौजूदगी में प्रत्येक माह लखनऊ के हवाई अड्डे पर से कभी सोना, कीमती वस्तुएं, मादक पदार्थ को बरामद किया गया है। दूसरे देशों से स्मगलिंग कर भारत लाने के लिए आरोपित लोगों को लखनऊ का हवाई अड्डा बेहद सुरक्षित महसूस होता है। यही कारण है कि सबसे ज्यादा स्मगलिंग एवं गिरफ्तारी इसी हवाई अड्डा पर होती है।

न्यूज ब्रीफ

ईचागढ़ में नहीं बन पाया चुनावी माहौल, त्योहारों में मग्न हैं लोग

सरायकेला : आसन्न विधानसभा चुनाव की तिथि जैसे-जैसे नजदीक आती जा रही है, क्षेत्र में वैसे ही राजनीतिक सरगर्मी बढ़ती जा रही है. गली-मोहल्लों में चुनाव प्रचार वाहन दौड़ने लगे हैं. गांव-गांव में चुनाव लड़ने वाले नेता मतदाताओं को अपने पाले में करने के लिए पहुंचने लगे हैं. इसी बीच ईचागढ़ के ग्रामांचलों में अबतक चुनावी माहौल नहीं बन पाया है. लोग पारंपरिक त्योहार मनाने में मग्न हैं. काली पूजा, दीपावली, बांदना, सोहराय, गिरी गोवर्धन पूजा का उल्लास विधानसभा क्षेत्र में चरम पर है. पांच दिनों तक चलने वाले बांदना और सोहराय पर्व के बाद ही लोग चुनाव की ओर अपना ध्यान केंद्रीत करेंगे. वैसे आम मतदाताओं का कहना है कि उन्हें तो बस मतदान के दिन सोच समझकर वोट डालना है.

ग्रामीण मतदाताओं का कहना है कि मतदान उनके पक्ष में हो इसके लिए उम्मीदवार मतदाताओं को दिवा स्वप्न दिखाएंगे. सभी समस्याओं का निराकरण करने के साथ लोगों को कई प्रकार कर सुविधाएं देने का वादा करेंगे. लेकिन चुनाव समाप्त होने के बाद चुनाव जीतकर विधायक बनने वाले नेता दोबारा कभी उन वादों और सुविधाओं की चर्चा नहीं करेंगे. अबतक ऐसा ही होता आया है. लोगों का कहना है कि ईचागढ़ के ग्रामांचलों में अब भी बुनियादी सुविधाओं का अभाव है. लोग स्वास्थ्य, गुणवत्तापूर्ण शिक्षा, सड़क, बिजली, सिंचाई, पेयजल आदि की समस्याओं से अब तक जूझ रहे हैं. रोजगार के अभाव में क्षेत्र के युवा पलायन करने पर मजबूर हैं. शिक्षण संस्थानों के अभाव में गरीब तबके के बच्चे उच्च शिक्षा से वंचित हो रही है.

पर्व-त्योहार के दौरान जहां लोग उत्साह, उमंग और उल्लास के साथ अपनी परंपरा मनाने में लीन हैं, वहीं चुनाव लड़ने वाले प्रत्याशी और राजनीतिक दलों के नेता व कार्यकर्ता गांव-गांव का दौरा कर रहे हैं. चुनाव लड़ने वाले प्रत्याशी मतदाताओं की समस्याओं का समाधान करने की बात कर रहे हैं. ईचागढ़ को आदर्श विधानसभा के रूप में स्थापित करने की बात कर रहे हैं. हर प्रकार की सुविधाएं लोगों तक पहुंचाने की बात कर रहे हैं. वहीं चुनाव जीतने वाले नेता अपने पुराने वादों की चर्चा नहीं कर रहे हैं. चुनाव जीतने के लिए जनता से किए वादों को कितना पूरा किया, जनता को किस प्रकार का लाभ दिया, क्षेत्र के किन समस्याओं का समाधान किया इस पर चर्चा नहीं कर रहे हैं. पुराने घोषणा पत्र का उल्लेख नहीं कर रहे हैं.

पुलिया के नीचे लाल बैग से सनसनी

चाईबासा : सेल की मेघाहातुबुरु लौह अयस्क खदान के स्क्रिनिंग क्षेत्र स्थित सड़क किनारे पुलिया में पडा.लाल रंग के ट्रॉली बैग को लेकर चचाओं का बाजार गर्म रहा. घटना की सूचना पाकर किरीबुरु थाना प्रभारी मुनाजीर हसन तथा सीआरपीएफ व सीआईएसएफ के पदाधिकारी व जवान ने पुलियाके पास पहुंच काफी सावधानी ने बैग की जांच की और उसे खोला. खोलने के बाद बैग में कुछ नहीं पाया गया. मेघाहातुबुरु खदान के अंदर से इसी कच्ची सड़क रास्ते सारंडा के ग्रामीण किरीबुरु-मेघाहातुबुरु शहर में आना-जाना करते हैं. यह लाल ट्रॉली बैग इस पुलिया में कैसे आया यह जांच का विषय है. क?योंकि पुलिया के आसपास कोई आबादी नहीं है. पूरा क्षेत्र सेल मेघाहातुबुरु के खनन क्षेत्र के अधीन है.

लेकिन यह अच्छी बात रही कि लोगों ने ऐसे संदिग्ध बैग को देखकर पुलिस को सूचना दी जिससे सच्चाई का पता लग सका. वर्तमान में विधानसभा चुनाव का शोर है. नक्सली चुनाव में बाधा पहुंचाने का कार्य करते रहते हैं. ऐसे में सभी की सतर्कता अहम हो जाती है.

जगन्नाथपुर विधानसभा: गीता कोड़ा, सोनाराम सिंकू व मंगल सिंह बोबोंगा के बीच त्रिकोणीय संघर्ष तय

चाईबासा : जगन्नाथपुर विधानसभा सीट पर एनडीए गठबंधन से भाजपा प्रत्याशी पूर्व सांसद गीता कोडा, इंडिया गठबंधन से कांग्रेस प्रत्याशी विधायक सोनाराम सिंकु और निर्दलीय प्रत्याशी पूर्व विधायक एवं झारखंड आंदोलनकारी मंगल सिंह बोबोंगा के बीच त्रिकोणीय मुकाबला होने की संभावना है. इन तीनों प्रत्याशियों ने अपने-अपने समर्थकों के साथ जनसंपर्क अभियान तेज कर रखा है.

इन तीनों प्रत्याशियों के अलावा, इस सीट पर झापा से लक्ष्मी नारायण गागराई, झारखंड लोकतांत्रिक क्रांतिकारी मोर्चा से लक्ष्मी नारायण लागुरी, और निर्दलीय कुशुम केराई, ज्याला कोड़ा, एवं मानसिंह तिरिया भी चुनावी मैदान में हैं, लेकिन मुख्य मुकाबला इन तीनों प्रत्याशियों के बीच ही होना तय माना जा रहा है.

उल्लेखनीय है कि साल 2019 के चुनाव में गीता कोड़ा समर्थित कांग्रेस प्रत्याशी सोनाराम सिंकु ने 32,499 वोट पाकर पहले स्थान पर आए थे. मंगल सिंह बोबोंगा, जो झाविमो की टिकट पर चुनाव लड़े थे, ने 20,893 वोट प्राप्त करके दूसरे स्थान पर रहे थे. भाजपा प्रत्याशी सुधीर सुंडी ने 16,450 वोट प्राप्त कर तीसरा स्थान पाया, जबकि आजसू प्रत्याशी मंगल सिंह सोरेन ने 14,222 वोट के साथ चौथे स्थान पर रहे. अन्य प्रत्याशियों को जो वोट मिलें, उनमें लक्ष्मी सोरेन (6,617), सन्नी सिंकु (5,062), मानसिंह तिरिया (4,415), नोटा (4,092), जयारानी पाडेय़ा (2,489), जगजीवन केराई (1,709), जयसिंह सिंकु (1,539), राजेश सिंकु (1,396), सोनु कुंकल (1,155), और अमित कुमार लागुरी (1,020).

इस बार मंगल सिंह बोबोंगा को पिछले चुनाव के प्रत्याशी मंगल सोरेन और अन्य प्रत्याशियों का समर्थन प्राप्त हो रहा है. अन्य दलों के नाराज नेताओं का भी सहयोग उन्हें मिल रहा है. हालांकि, भाजपा और कांग्रेस प्रत्याशियों का अपना वोट बैंक और गठबंधन से जुड़े पार्टियों का समर्थन है.

प्रतिदिन अलग-अलग क्षेत्रों में नए राजनीतिक समीकरण बन और बिगड़ रहे हैं. कुछ समर्थक घट रहे हैं, तो कुछ जुड़ रहे हैं. क्षेत्र के मुस्लिम और ईसाई मतदाता अभी चुप्पी साधे हुए हैं और सोनाराम सिंकु तथा मंगल सिंह बोबोंगा की स्थिति का आंकलन कर रहे हैं. जो भी प्रत्याशी भाजपा प्रत्याशी गीता कोडा. को हराने में सक्षम होगा, वे अंतिम समय में अपने वोट का ध्रुवीकरण कर सकते हैं. हालांकि, दोनों प्रत्याशी मुस्लिम और ईसाई वोटरों पर अपना-अपना दावा कर रहे हैं. लोग इस सीट पर पहले से ही तीनों प्रत्याशियों की जीत पर अपनी राय व्यक्त करते हुए बाजी भी लगा रहे हैं. ग्रामीण और शहरी क्षेत्रों के अधिकांश वोटरों की चुप्पी सभी प्रत्याशियों की परेशानी बढ़ा रही है.

फुटबॉल प्रतियोगिता में मास्टर एलेवन चिरुगोड़ा क्लब बना विजेता

जमशेदपुर : घाटशिला के पिठाती गांव में त्रिमूर्ति कल्ब की ओर से दो दिवसीय फुटबॉल प्रतियोगिता का आयोजन किया गया. बतौर मुख्य अतिथि राज्य के जल संसाधन एवं उच्च शिक्षा मंत्री रामदास सोरेन उपस्थित थे. प्रतियोगिता में कुल 16 टीमों ने हिस्सा लिया. फाइनल मुकाबला मास्टार एलेवेन कल्ब चिरीगोड़ा व सोरेन स्पोर्टिंग कल्ब नाकदोहा के बीच खेला गया. मास्टर एलेवन चिरुगोड़ा कल्ब ने सोरेन स्पोर्टिंग कल्ब को पराजित कर खिताब पर कब्जा जमाया. विजेता टीम को 2.5 लाख रुपए व उपविजेता को 1.8 लाख रुपए देकर पुरस्कृत किया गया. सेमीफाइनल में पराजित होने वाले दोनों टीमों को 80-80 हजार रुपया देकर पुरस्कृत किया गया. मौके पर विधायक प्रतिनिधि जगदीश भगत, जिला कोषाध्यक्ष कालीपद गोराई, प्रमुख सुशीला टुडू, झारखंड मुक्ति मोर्चा पार्टी के प्रखण्ड अध्यक्ष वकील हेम्ब्रम, खेल प्रकोष्ठ जिला अध्यक्ष विमल मार्डी, प्रखण्ड उपाध्यक्ष सुखलाल हांसदा, प्रखण्ड कोषाध्यक्ष अम्पा हेम्ब्रम, युवा मोर्चा के अध्यक्ष प्रकाश टुडू, क्षेत्रीय कमेटी के अध्यक्ष भारत मुर्मू, खुदीराम हांसदा उपस्थित थे.

निर्दलीय प्रत्याशी डॉ विजय गागराई और उनका चुनाव चिन्ह ऑटो रिक्शा पूरे रेस में

मेट्रो रेज संवाददाता

चक्रधरपुर : चक्रधरपुर विधानसभा से निर्दलीय प्रत्याशी क्रम संख्या-12 के उम्मीदवार डॉ0 विजय गागराई पुरे विधानसभा क्षेत्र में व्यापक रूप से जनसंपर्क और चुनावी सभा में जुट गए हैं। श्री गैंगेरी विगत कई वर्षों से सामाजिक क्षेत्र में अपना अभियान और योगदान देते रहे हैं जिसके फलस्वरूप ग्रामीण और सुदूर क्षेत्र में उनकी अच्छी खासी पकड़ बताई जाती है और इसी का परिणाम है कि उनके हर जगह उपस्थित पर अच्छी खासी ग्रामीण और लोगों की भीड़ देखी जा रही है। डॉ0 विजय गागराई का स्पष्ट कहना है कि वह जनता के कहने पर और सुझाव पर चुनावी मैदान में है और उन्हें जो व्यापक जनसमर्थन और लोगों का साथ मिल रहा है उसके लिए वह हृदय से आभारी हैं बस सबों से यही आग्रह है कि उनके पक्ष में मतदान कर विजय को विजयी बनाएं विधि ठोकी श्री गागराई ग्रामीण और सुदूर क्षेत्रों में भी निरंतरर परिभ्रमण कर रहे हैं और वहां के लोगों का भी इन्हें व्यापक समर्थन मिल रहा है उन्होंने कहा कि क्रम संख्या-12 और उसके चुनाव चिन्ह ऑटो रिक्शा में बटन दबाकर भारी मतों से उन्हें विजयी बनाएं।

स्ट्रांग रूम में बूथवार रखी गई ईवीएम, डीसी ने लिया जायजा

जमशेदपुर : पूर्वी सिंहभूम जिले की सभी छह विधानसभा सीटों की ईवीएम का द्वितीय रेंडमाइजेशन पूरा हो गया है. स्ट्रांग रूम में रविवार को ईवीएम को बूथवार रखने का कार्य शुरू हुआ. पोटका, बहरागोड़ा व घाटशिला विधानसभा की ईवीएम के लिए स्ट्रांग रूम करनडीह स्थित एलबीएसएम कॉलेज में बनाया गया है. पूर्वी सिंहभूम के डीसी सह जिला निर्वाचन पदाधिकारी अनन्य मित्तल ने रविवार को स्ट्रांग रूम का जायजा लिया. मौके पर राजनीतिक दलों के प्रत्याशी या उनके प्रतिनिधि तथा परियोजना निदेशक आईटीडीए दीपांकर चौधरी, डीटीओ धनंजय, उप नगर आयुक्त जेएनएसी कृष्ण कुमार व अन्य पदाधिकारी मौजूद रहे. पूर्वी सिंहभूम जिले में पहले चरण में 13 नवंबर को मतदान होना है. ईवीएम की 4 से 9 नवंबर तक कमीशनिंग की जाएगी. इसके लिए प्रशिक्षित अधिकारी-कर्मचारियों की प्रतिनियुक्ति की गई है. निरीक्षण के क्रम में डीसी ने दण्डाधिकारी व पुलिस पदाधिकारी को 24 घंटे स्ट्रांग रूम की निगरानी करने का निर्देश दिया. कहा कि स्ट्रांग रूम परिसर के आसपास अनाधिकृत प्रवेश नहीं हो इसका विशेष ख्याल रखें. पदाधिकारी, कर्मी या अन्य किसी व्यक्ति को भी इलेक्ट्रॉनिक उपकरण, मोबाइल फोन लेकर स्ट्रांग रूम के अंदर जाने की अनुमति नहीं होगी.

गिरीराज सेना के प्रमुख उमाशंकर गिरी वरीय जनों के साथ भाजपा प्रत्याशी शशिभूषण सामड से मिले

मेट्रो रेज संवाददाता

चक्रधरपुर। गिरीराज सेना के प्रमुख उमाशंकर गिरी अपने वरीय लोगों के साथ चक्रधरपुर विधानसभा क्रम संख्या-56 से भाजपा प्रत्याशी शशिभूषण सामड से मिले और गिरीराज सेना उनका पूर्ण समर्थन करता है और उनके पक्ष में व्यापक रूप से जनसंपर्क और जनसमर्थन हेतु कारगर अभियान भी चला रहा है इसकी भी जानकारी दी। श्री गिरी ने कहा कि भाजपा प्रत्याशी शशिभूषण सामड हमेशा लोगों के बीच रहें उनके सहभागी बनें और उनके द्वारा जनसमस्याओं के नवारण हेतु हमेशा कारगर पहल किया गया। इसी का यह परिणाम है कि ये लोगों के बीच काफी लोकप्रिय हैं वहीं भाजपा प्रत्याशी श्री सामड गिरीराज सेना के प्रमुख उमाशंकर गिरी और उनके साथ उपस्थित लोगों के प्रति आभार व्यक्त करते हुए कहा कि वे स्वयं को हमेशा जनता का सेवक और जनसेवक के रूप में कार्य किया है और उनका मूल मंत्र भी यही है। काम किया है काम करेंगे जनता का पूर्ण सम्मान करेंगे और वे हमेशा लोगों के बीच रहे हैं और रहेंगे।

चक्रधरपुर का टाऊन काली मंदिर एतिहासिक और धरोहर है

ज्योति पाठक

चक्रधरपुर का टाऊन काली मंदिर एतिहासिक और धरोहर के रूप में ख्याति प्राप्त है। इसकी प्रमुख वजह यह है कि 1914 में स्थापित इस प्राचीन मंदिर ने अपने स्थापनाकाल के 110 वर्ष पूर्ण कर लिए हैं जो निश्चित तौर पर एक उपलब्धि और स्मरणीय उपलब्धि है। टाऊन काली मंदिर से लोगों का काफी प्रगाढ़ और अटुट जुड़ाव रहा है। इस मंदिर में यूँ तो शनिवार के दिन भक्तजनों और श्रद्धालुओं की भीड़ उमड़ पड़ती है और अमावश्या के दिन तो विशेष पूजा अर्चना के साथ व्यापक रूप से भोग वितरण भी किया जाता है। यह निरंतर कई समय से चला और रहा है और इसी का यह परिणाम है कि माँ के प्रति श्रद्धा निष्ठा और आस्था भक्तजनों की हमेशा बनी रही है। इस मंदिर के स्थापनाकाल के पश्चात से प्रफुल्ल कुमार षाड़ंगी माँ के पूजा अर्चना करते रहें और इसके पश्चात गोपाल षाड़ंगी के द्वारा माँ की पूजा अर्चना की जाती रही। वर्तमान समय में गोपाल षाड़ंगी के पुत्र उज्जवल षाड़ंगी माँ की पूजा अर्चना करते हैं। यही नहीं इनके द्वारा विशेष पूजा अर्चना और विशेष मंत्रोचारण के साथ किये जाने वाले पूजा काफी अलौकिक हुआ करते हैं। यही नहीं काली पूजा में माँ की पूजा विशेष रूप से की गयी और काफी संख्या में भक्तजन और श्रद्धालु माँ के दर्शन हेतु उपस्थित हुए। मंदिर के पूजारी उज्जवल षाड़ंगी बताते हैं कि यह अति प्राचीन काली मंदिर लोगों के आस्था का केन्द्र है और काफी दुर दराज से भक्तजन और श्रद्धालु मंदिर आते हैं।

भाजपा प्रत्याशी सन्नी टोप्पो अखिल भारतीय क्षत्रिय महासभा की बैठक में हुए शामिल

मेट्रो रेज संवाददाता

मांडर। मांडर के सोसई आश्रम मैदान में अखिल भारतीय क्षत्रिय महासभा की कार्यकारिणी की बैठक का आयोजन किया गया, जिसमें क्षेत्र के क्षत्रिय समाज के अनेक पदाधिकारी और सदस्य शामिल हुए। बैठक में चान्हो और मांडर प्रखंड के क्षत्रिय समाज और महासभा के विभिन्न पदाधिकारियों ने भाग लिया, जहां प्रखंड स्तर पर कई महत्वपूर्ण मुद्दों पर चर्चा की गई।

बैठक में अखिल भारतीय क्षत्रिय महासभा के अध्यक्ष बसंत शाही, उपाध्यक्ष स्वतंत्र शाही, सचिव भुवनेश्वर सिंह और कोषाध्यक्ष नागेन्द्र सिंह सहित सभी प्रमुख सदस्य मौजूद थे। सभी ने अपने-अपने विचार रखे और समाज के भविष्य, एकता और राजनीतिक स्थिति पर चर्चा की। भाजपा प्रत्याशी सन्नी टोप्पो की उपस्थिति ने बैठक को एक खास महत्व दिया। महासभा ने 2024 के चुनावों में अपने समर्थन का ऐलान करते हुए कहा कि आने वाले चुनाव में अखिल भारतीय क्षत्रिय महासभा उनके साथ खड़ी है।

माँ काली की हुई विदायी भक्तजनों की आंख भर आयी

चक्रधरपुर। काली पूजा में माँ काली की प्रतिमा की स्थापना के पश्चात आज माँ की प्रतिमा का विषर्जन किया गया। 31 अक्टुबर को स्थापित माँ काली की प्रतिमा का भव्य रूप से प्रतिमा और पंडाल के निर्माण किये गयें। चक्रधरपुर में रोड फोर्ट क्लब, अकाउण्ट्स कॉलोनी में माँ काली की स्थापित प्रतिमा विसर्जित की गयी। इस अवसर पर भक्तजनों और श्रद्धालुओं ने कहा कि माँ अगले बरस है आपको जल्दी आना। वहीं भक्तजनों और श्रद्धालु भी विसर्जन में शामिल थें। माँ की विदायी के अवसर पर लोग काफी मायुस थें और उनके आँख भी नम।

लतीफ अंसारी ने आजसू छोड़ कांग्रेस का दामन थामा

मेट्रो रेज संवाददाता

चान्हो। चान्हो प्रखंड के कांग्रेस कार्यालय में रविवार को लतीफ अंसारी ने सैकड़ों समर्थकों के साथ आजसू पार्टी छोड़कर कांग्रेस का दामन थाम लिया। इस अवसर पर उन्होंने इंडिया एलायंस समर्थित कांग्रेस प्रत्याशी शिल्पी नेहा तिर्की के प्रति आस्था और समर्थन जताया। इस कार्यक्रम में वरिष्ठ कांग्रेस नेता जलील अंसारी, प्रखंड अध्यक्ष इस्तियाक अंसारी, इरशाद खान, अब्दुल्ला अंसारी, जुल्फेकार अली, जावेद अख्तर, ऐनुल अंसारी और अन्य नेताओं की उपस्थिति रही।

कार्यक्रम में कांग्रेस में शामिल हुए सभी समर्थकों का स्वागत करते हुए उन्हें कांग्रेस का प्रतीक अंगवस्त्र भेंट किया गया। जलील अंसारी ने कहा कि चान्हो ही नहीं, पूरे झारखंड में कांग्रेस का प्रभाव तेजी से बढ़ रहा है। उन्होंने कार्यकताओं से आग्रह किया कि वे पूरी लगन के साथ जनता के बीच जाकर कांग्रेस के विचारों का प्रसार करें और आगामी चुनाव में कांग्रेस प्रत्याशी को जिताने के लिए मेहनत करें।

युवाओं ने बंधु तिर्की और शिल्पी नेहा तिर्की की सेवा भावना की

सराहना करते हुए उन्हें जनता का सच्चा नेता बताया। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन के नेतृत्व में हो रहे विकास कार्यों और वंचित वर्गों के उत्थान से प्रेरित होकर उन्होंने कांग्रेस का समर्थन करने का निर्णय लिया है। कांग्रेस में शामिल होने वाले प्रमुख समर्थकों में इजहारूल अंसारी, असरफुल अंसारी, रेयाजुल अंसारी, फिरोज अंसारी, समीउल्लाह अंसारी, और कई अन्य प्रमुख कार्यकर्ता शामिल रहे। सभी ने शिल्पी नेहा तिर्की को भारी मतों से जिताने का संकल्प लिया।